हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 348 | शुक्रवार 11 अप्रैल 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

आज उपेक्षित रही परंपराएं और विरासत पुनर्जीवित हो गई : जयशंकर

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि लंबे समय से उपेक्षित रही परंपराएं और विरासत अब पुनर्जीवित हो गई हैं। ज्यादा भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा प्राप्त है और भारतीय प्रथाओं को नया प्रोत्साहन और गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि इसका सार यह है कि इंडिया आज भारत बन चुका है। यह बात बुधवार को जयशंकर एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) परिवर्तन को मान्यता देता है और मुझे यकीन है कि यह इसे अपने भविष्य के कार्यों में शामिल करेगा। आईसीसीआर विदेश मंत्रालय के अंतर्गत आता है। जयशंकर ने कहा कि किसी भी संस्था के लिए 75 साल विकास और विस्तार का अहम समय होता है...। उन्होंने यह भी कहा कि यह समय और भी अहम हो जाता है। खासकर उस परिवेश को देखते हुए जिसमें ये संस्थाएं काम करती हैं। जयशंकर ने कहा कि हमारा राष्ट्र और हमारा समाज काफी बदल गया है। आज हम अपनी पहचान व्यक्त करने और इसकी समझ को बढ़ावा देने के मामले में पहले की तुलना में ज्यादा आश्वस्त, प्रामाणिक और प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में हमारी संस्कृति, विरासत और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ी है। वास्तव में हम अपनी परंपराओं के कई पहलुओं पर गर्व महसूस करते हैं, जो अब कई पहल और योजनाओं में दिख रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, हमारे पर्यटन को बढ़ावा देना और विश्व धरोहर स्थलों की संख्या में वृद्धि इनमें शामिल है।

विमान लैंड करते ही आया पायलट को अटैक और हो गई मौत

नई दिल्ली। श्रीनगर से दिल्ली की उड़ान पूरी करने के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट की नई दिल्ली में हार्ट अटैक से मौत हो गई। पायलट की हाल ही में शादी हुई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना विमान के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के कुछ ही समय बाद हुई। एयरलाइन के मुताबिक दिल्ली में विमान के उतरने के बाद पायलट को अस्वस्थ महसूस हुआ और उसे पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब पायलट ने श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान का संचालन कर रहा था। एयरलाइन के सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में उतरने के बाद कैप्टन अरमान ने विमान के अंदर उल्टी की, डिस्पैच ऑफिस जाने से पहले उनमें परेशानी के शुरुआती लक्षण दिखे, जहां बाद में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। आईजीआई हवाई अड्डे के एयर इंडिया एक्सप्रेस सुविधाओं में चिकित्सा कर्मियों को तुरंत घटनास्थल पर बुलाया गया, लेकिन उनकी त्वरित प्रतिक्रिया और अस्पताल ले जाने के बावजूद, पायलट अरमान को बचाया नहीं जा सका। सहकर्मियों और एयरलाइन कर्मचारियों ने बताया कि पायलट अरमान ने लैंडिंग के बाद कॉकपिट के अंदर ही उल्टी की थी। बाद में उसे हवाई अड्डे पर एयरलाइन के डिस्पैच कार्यालय में अटैक आया।

शिवराज सिंह चौहान ने सपरिवार पशुपति नाथ मंदिर में माथा टेका, रुद्राक्ष और हरसिंगार के पौधे रोपे

काठमांडू/नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान बिम्स्टेक देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक के लिए काठमांडू (नेपाल) में हैं। उन्होंने वहां बैठक के बाद गुरुवार को परिवार के साथ पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन किये और मंदिर प्रांगण में रुद्राक्ष और हरसिंगार के पौधे रोपे। शिवराज सिंह ने इस बारे में सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि बिम्स्टेक देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक के लिए काठमांडू में हूं। बैठक के बाद आज परिवार के साथ पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन किये। यहां मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ आत्मीय भेंट हुई। भगवान पशुपतिनाथ के पावन प्रांगण में रुद्राक्ष और हरसिंगार के पौधे रोपने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा, चार वर्ष पूर्व नर्मदा मैया की गोद में रोपे संकल्प का बीज पशुपति महादेव के आंगन तक पहुंच गया है। मैं तो बस एक निमित्त हूं, कर्म का यह मार्ग, शिव की प्रेरणा है। महादेव की कृपा बनी रहे और प्रकृति की सेवा का यह संकल्प इसी प्रकार पल्लवित, पुष्पित होता रहे, पशुपतिनाथ के चरणों में यही प्रार्थना है। हर हर महादेव।

महावीर जयंती की पूरे देश में धूम, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर की 2623वीं जयंती मनाई जा रही है। जगह जगह धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। इस पावन पर्व पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं।

बता दें कि जैन धर्म में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक त्योहारों में से एक महावीर जयंती जैन कैलेंडर के अनुसार चैत्र महीने में शुक्ल पक्ष की 13वीं तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में कुंडलग्राम में हुआ था, जो वर्तमान में बिहार के पटना के पास है। उन्होंने अपना जीवन आध्यात्मिक जागृति, आत्म-अनुशासन और मुख्य जैन सिद्धांतों- अहिंसा (अहिंसा), सत्य (सत्य), और अपरिग्रह (अपरिग्रह) के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया। उन्होंने 527 ईसा पूर्व में 72 वर्ष की आयु में मोक्ष (मुक्ति) प्राप्त की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा, महावीर जयंती के अवसर पर सभी देशवासियों, विशेषकर जैन समुदाय के सभी लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। अहिंसा और शांति के साक्षात स्वरूप, भगवान महावीर ने मानवता को त्याग, सत्य और अपरिग्रह की राह दिखाई। आइए, हम सब उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए, समस्त विश्व के कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लें।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक्स पर लिखा, महावीर जयंती के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई। भगवान महावीर की शाश्वत शिक्षाएं- अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह- एक अधिक दयालु और सामंजस्यपूर्ण दुनिया की ओर हमारा मार्ग रोशन करती रहती हैं। इस महावीर जयंती पर आइए हम आध्यात्मिक अनुशासन, आत्म-संयम और सार्वभौमिक करुणा को अपनाते हुए उनके जीवन और आदर्शों से शक्ति प्राप्त करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को महावीर जयंती की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, हम सभी भगवान महावीर को नमन करते हैं, जिन्होंने हमेशा अहिंसा, सत्य और करुणा पर जोर दिया। उनके आदर्श दुनिया भर के अनगिनत लोगों को ताकत देते हैं। उनकी शिक्षाओं को जैन समुदाय ने खूबसूरती से संरक्षित और प्रचारित किया है। भगवान महावीर से प्रेरित होकर, उन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की और समाज के कल्याण में योगदान दिया। हमारी सरकार हमेशा भगवान महावीर के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए काम करेगी। पिछले साल, हमने प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया, जिसकी बहुत सराहना हुई।

आखिर कर भारत के शिकंजे में आया आंतकी तहव्वुर राणा,

देशवासियों का लंबा इंतजार खत्म

राणा को भारत प्रत्यर्पित करवाना मोदी सरकार की कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई अटैक का मास्टरमाइंड आंतकी तहव्वुर राणा भारत आ गया है। बहुत मेहनत और कूटनीतिक प्रयासों के बाद आखिरकार अमेरिका से घसीटकर राणा को भारत लाया गया है। अमेरिका से आंतकी को स्पेशल विमान में लाया गया है। राणा का विमान दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। उसके साथ भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की एक टीम थी। इस तरह देशवासियों का लंबा इंतजार खत्म हुआ। अब आंतकी राणा से गुनाहों का हिसाब होगा।

26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी आंतकी राणा को तिहाड़ जेल में रखा जा सकता है। तहव्वुर राणा की 64 साल है। तहव्वुर राणा तिहाड़ जेल में एक हाई सुरक्षा वार्ड में रखा जाएगा। आतंकवादी को रखने के लिए जेल में सभी आवश्यक तैयारियां हो चुकी है। तहव्वुर राणा साल 2008 के मुंबई

हमलों का मास्टरमाइंड है। वह मुंबई अटैक के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक डेविड कोलमेन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी है। तहव्वुर राणा को लेकर एक विशेष चार्टर्ड विमान अमेरिका से भारत के लिए रवाना हुआ था। तहव्वुर को अमेरिका से भारत लाने में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकर प्रत्यर्पित किया गया। सूत्रों ने बताया कि राणा को एनआईए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में लिया जाएगा।

तहव्वुर राणा पर कई धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। इसमें आपराधिक साजिश, भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना, हत्या, जालसाजी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम शामिल हैं। हालांकि, मुंबई पुलिस को अभी तक उसके शहर में स्थानांतरण के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। डेविड कोलमेन हेडली का सहयोगी होने के अलावा, ऐसा माना जाता है कि राणा के पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ करीबी संबंध थे। राजनैतिक तौर पर आंतकी राणा का भारत पहुंचना मोदी सरकार की कूटनीतिक जीत है। पीएम मोदी और केंद्र सरकार हमेशा से ही आंतक और आंतकवादियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की बात कह रही है।

भारत-स्लोवाकिया के पास मनोरंजन उद्योग में सहयोग करने के मजबूत अवसर

-राष्ट्रपति मुर्मू ने 'वेव' शिखर सम्मेलन के लिए पीटर पेलेग्रिनी को किया आमंत्रित

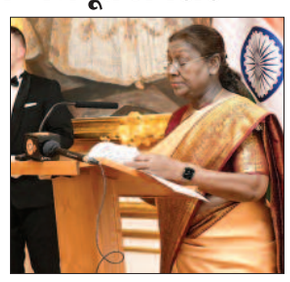

ब्रातिस्लावा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में कहा कि भारत और स्लोवाकिया के पास फिल्म निर्माण और बढ़ते मीडिया और मनोरंजन उद्योग में सहयोग के मजबूत अवसर हैं। दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आईं मुर्मू ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी को 1 से 4 मई तक मुंबई में आयोजित होने वाले 'वेव' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) भारतीय कलाकारों को सामग्री तैयार करने और उसे वैश्विक बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। राष्ट्रपति भवन ने जारी बयान में कहा है कि राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया को फिल्मांकन गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देने की जरुरत पर बल दिया। स्लोवाकिया हॉलीवुड निर्माताओं का पसंदीदा स्थान रहा है, लेकिन भारतीय फिल्म उद्योग ने 2019 में 'हाई टाट्रा पर्वतीय क्षेत्र' की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है, जब अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'चेहरे' की शूटिंग यहां हुई। राष्ट्रपति भवन ने अधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने भारत के तेजी से बढ़ते मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक निकटता से सहयोग करने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें स्लोवाकिया को फिल्म शूटिंग का गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देना शामिल है।

'अब सिर्फ पश्चिम बंगाल बचा है, वहां भी कमल खिलेगा',

जेपी नड्डा ने सीधे ममता बनर्जी को दे दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि दिल्ली सात साल तक एक काले अध्याय से गुजर रही थी, जब 30 लाख परिवार और 6 लाख लोग सात साल तक आयुष्मान के अधिकार से वंचित थे। आपको ये सोचने पर मजबूर होना चाहिए कि जब खराब सरकार आती है तो किस तरह आपके अधिकारों का हनन होता है और जब अच्छी सरकार आती है तो 50 दिन के भीतर-भीतर आपको आपके अधिकार मिल जाते हैं।

नड्डा ने आगे कहा कि तीन राज्यों ने आयुष्मान लागू करने से मना कर दिया था। पहला ओडिशा, जहां पिछली सरकार चली गई और फिर कमल खिल गया। दिल्ली में भी यही हुआ। अब सिर्फ पश्चिम बंगाल बचा है, वहां भी कमल खिलेगा और मौजूदा सरकार चली जाएगी। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आप कहते थे कि (दिल्ली में सरकार बनाने के लिए) (बीजेपी को) दोबारा जन्म लेना पड़ेगा। लेकिन हमने इसी जन्म में कर दिखाया... फिर स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज सुप्रीम कोर्ट गए और कहा कि हम दिल्ली में आयुष्मान लागू नहीं होने देंगे। आप सभी को प्रण लेना चाहिए कि दिल्ली में ऐसी सरकार कभी नहीं बनने देंगे।

आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान योजना) को लागू करने के लिए शनिवार को केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही, दिल्ली इस स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने वाला 35वां राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन गया। पश्चिम बंगाल अब एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने इस योजना को लागू नहीं किया है। आयुष्मान भारत योजना 27 विशेषज्ञताओं में 1,961 चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए मुफ्त और 'कैशलेस' उपचार प्रदान करती है, जिसमें दवाओं, नैदानिक सेवाओं, अस्पताल में भर्ती होने, आईसीयू देखभाल, सर्जरी और अन्य लागत शामिल हैं।

ट्रंप बैकफुट पर आए, टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोका, चीन को नहीं दी राहत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 75 से ज्यादा देशों पर लगाए रेसिप्रोकल टैरिफ 90 दिनों के लिए रोक दिया है। यह फैसला लागू भी हो गया है। ट्रंप ने चीन को इस छूट में शामिल नहीं किया है, बल्कि उस पर लगे टैरिफ को 104 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया है। ट्रम्प ने यह कार्रवाई चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी 84 फीसदी टैरिफ के बाद की है। चीन पर 125 फीसदी टैरिफ लगाने का मतलब है कि चीन में बना 100 डॉलर का सामान अब अमेरिका में जाकर 225 डॉलर का हो जाएगा। अमेरिका में चीनी सामानों के मंहगे होने से उसकी बिक्री नहीं होगी या कम हो जाएगी।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि चीन ने ग्लोबल मार्केट के लिए सम्मान नहीं दिखाया है। इसी वजह से मैं

उस पर टैरिफ बढ़ाकर 125फीसदी कर रहा हूं। उम्मीद है कि चीन को जल्द समझ आ जाएगा कि अमेरिका और दूसरे देशों को लूटने के दिन गए। जो देश डील करेंगे, उनके लिए टैरिफ 10 फीसदी रहेगा। ट्रम्प ने कहा कि 75 से ज्यादा देशों ने अमेरिका के प्रतिनिधियों को बुलाया है और इन देशों ने मेरे मजबूत सुझाव पर अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह से जवाबी कार्रवाई नहीं की है। इसलिए मैंने 90 दिन के विराम को स्वीकार किया है। टैरिफ पर इस रोक से नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने का समय मिलेगा।

वहीं, वित्त मंत्री ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत करने के इच्छुक देशों के लिए यह दर घटकर 10 फीसदी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कनाडा और मेक्सिको के कुछ सामानों पर 25 फीसदी टैरिफ लगता था। अब उन्हें भी बेसलाइन टैरिफ में शामिल कर लिया गया है। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि यूरोपीय यूनियन इस बेसलाइन टैरिफ में शामिल है या नहीं।

बीजेपी को सताने लगा डर, वक्फ कानून कहीं बिहार चुनाव में डूबा ना दे!

-आलोचना और सहयोगियों के दबाव को कम करने चलाएगी जनसंपर्क अभियान

श्रीनगर (एजेंसी)। पटना,(ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर विपक्ष की आलोचना और एनडीए सहयोगियों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू करने की योजना बनाई है। इस अभियान के जरिए बीजेपी विपक्ष के इस दावे का खंडन करेगी जिसमें वक्फ कानून को अल्पसंख्यक विरोधी बताया जा रहा है। खासतौर पर बिहार में बीजेपी की यह रणनीति ज्यादा अहम मानी जा रही है क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं और बीजेपी का गठबंधन जनता दल (यूनाइटेड) से है, जो मुस्लिम वोट बैंक पर काफी हद तक निर्भर है। बीजेपी अब मुस्लिम समुदाय के बीच जाकर यह संदेश देना चाहते हैं कि वक्फ कानून उनके हितों के खिलाफ नहीं है। पार्टी घर-घर जाकर कानून की खूबियों को समझाने का अभियान शुरू करेगी ताकि मुस्लिम समुदाय में फैली गलतफहमियों को दूर किया जा सके। इसके लिए बीजेपी ने एक टास्क फोर्स का गठन किया है, जिसमें पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम, राधा मोहन दास अग्रवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रमुख जम्माल सिद्दीकी और बीजेपी नेता अनिल एंटनी को शामिल किया है। ये नेता कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेंगे कि वे किस तरह से समुदाय के सामने अपनी बात रखें। बीजेपी जल्द ही एक विशेष ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन करेगी, जिसमें केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इन कार्यशालाओं में बीजेपी नेताओं को वक्फ कानून की बारीकियां बताई जाएंगी ताकि वे जनता के सवालों का सटीक उत्तर दे सकें। बिहार में विशेष तौर पर इस विषय पर कई स्थानीय स्तर की कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। विपक्षी दलों खासतौर पर राष्ट्रीय जनता दल ने इस मुद्दे को लेकर एनडीए सहयोगी दलों पर हमला तेज कर दिया है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने वक्फ कानून को अल्पसंख्यक विरोधी बताते हुए सत्ता में आने पर इसे रद्द करने की बात कही है। इससे जेडीयू और लोजपा जैसी पार्टियों पर मुस्लिम नेताओं के असंतोष का असर भी दिखने लगा है। बीजेपी अब इस कानून को लेकर मुस्लिम समुदाय का भरोसा हासिल करने और सहयोगियों की मुश्किलें कम करने का काम कर रही है।

रक्षा मंत्री ने बहु-क्षेत्रीय वातावरण में सशस्त्र बलों को भविष्य के लिए तैयार रहने की सलाह दी

-रणनीतिक-सैन्य परिवर्तन के लिए बारीकियों का गहराई से अध्ययन करें अधिकारी

वेलिंगटन/नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को सलाह दी है कि आज के लगातार विकसित हो रहे बहु-क्षेत्रीय वातावरण में संयुक्त रूप से काम करके भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए, जहां साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध आदि पारंपरिक अभियानों की तरह ही शक्तिशाली हैं। उन्होंने अधिकारियों से रणनीतिक-सैन्य परिवर्तन के लिए बारीकियों का गहराई से अध्ययन करने का आग्रह किया।

रक्षा मंत्री गुरुवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की वैश्विक भू-राजनीति को तीन प्रमुख मापदंडों से पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। सरकार सशस्त्र बलों को बहु-क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। भारत को अपनी सीमाओं पर लगातार खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जो उसके पड़ोस से उत्पन्न होने वाले छद्म युद्ध और आतंकवाद की चुनौती से और भी जटिल हो गए हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियां युद्ध में क्रांति ला रही हैं। यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन एक नए हथियार के रूप में उभरे हैं। सैनिकों और उपकरणों के अधिकांश नुकसान के लिए पारंपरिक तोपखाने के बजाय ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसी तरह पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष क्षमताएं, सैन्य खुफिया, निरंतर निगरानी और संचार को बदल रही हैं, जिससे युद्ध एक नए स्तर पर पहुंच रहा है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि दुनिया ग्रे जोन और हाइब्रिड युद्ध के युग में है, जहां साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे उपकरण बन गए हैं, जिनसे एक भी गोली चलाए बिना राजनीतिक-सैन्य लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

राजनाथ सिंह ने प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों के अलावा पश्चिम एशिया में संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव के समग्र सुरक्षा गणित पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने भविष्य के युद्धों के लिए सक्षम और प्रासंगिक बने रहने के लिए सशस्त्र बलों के परिवर्तन को जोरदार तरीके से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशस्त्र बलों के विकास और

आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कम लागत वाली उच्च तकनीक विकसित करने और सशस्त्र बलों की युद्ध क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारे बलों को न केवल तकनीकी परिवर्तनों के साथ तालमेल रखना चाहिए, बल्कि इसका नेतृत्व भी करना चाहिए।

मुरादाबाद में आठ डॉक्टरों समेत 77 स्वास्थ्यकर्मियों पर कार्रवाई, सभी का कटेगा वेतन, ड्यूटी से मिले नदारद

मुरादाबाद, एजेंसी। हाजिरी लगाने के बाद अस्पताल से गायब होकर विभाग की आंखों में धूल झोंक रहे डॉक्टरों व अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की पोल सोमवार को खुल गई। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह व उनकी टीम ने 26 पीएचसी का औचक निरीक्षण किया। आठ स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रभारी चिकित्साधिकारी ही गायब मिले।

साथ ही फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन समेत 69 स्वास्थ्यकर्मी भी रजिस्टर में उपस्थित दर्ज कर नदारद मिले। सीएमओ ने सबको आड़े हाथों लिया और कार्यालय में तलब किया है। उन्होंने आठों डॉक्टरों समेत सभी स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन काटने के आदेश जारी किए हैं।

साथ ही कारण बताओ नोटिस और सेवा समाप्ति की चेतावनी दी है। इस कार्रवाई के बाद लापरवाह डॉक्टरों व स्टाफ में हड़कंप मचा है। कोई बच्चे की बीमारी तो कोई घर में

जरूरी काम होने का हवाला देकर जान बचाने में लगा हुआ है।

हालांकि, अब तक किसी को रियायत नहीं मिली है। कई माह से सीएमओ कार्यालय में शिकायतें आ रही थीं कि पीएचसी पर डॉक्टर व अन्य स्वास्थ्यकर्मी ज्यादातर दिनों में गायब रहते हैं। ऐसे में सीएमओ में खुद कई केंद्रों का जायजा लिया।

डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल के साथ एक टीम बनाकर अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजा। इससे हकीकत सामने आ गई। स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात डॉक्टरों का वेतन 55 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह है। घर बैठकर वेतन लेने वाले इन डॉक्टरों व स्टाफ पर बड़ी कार्रवाई भी हो सकती है।

पीएचसी के अलावा सीएमओ की टीम ने मलेरिया कार्यालय का भी जायजा लिया। वहां तीन मलेरिया निरीक्षकों समेत स्टाफ गायब मिले। उनका भी वेतन काटने के आदेश जारी किए गए हैं। निरीक्षण में डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल, डीपीएम रघुवीर सिंह, प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

यह डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मी मिले गैरहाजिर

मझोली पीएचसी से डॉ. अविरल कुमार, शिवनगर पीएचसी से डॉ. नायाब मलिक, कंजरी सराय से डॉ. रुचि अग्रवाल, आदर्श नगर से डॉ. विश्वजीत मजूमदार, कटघर से डॉ. हिमानी जैन, हरथला झांझनपुर से डॉ. ऋचा लोचब, नया गांव से डॉ. आरके सिंह और बंगला गांव से डॉ. फरमान मलिक गैरहाजिर मिले।

मलेरिया निरीक्षक वकुल गौतम, अमित कुमार, रजनी शर्मा समेत सात कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। एआरओ हुकुम सिंह, फार्मासिस्ट हंसराज यादव, एलटी चंचल मिश्रा, एएनएम आरती सिंह, कमलेश, संगीता, फार्मासिस्ट रहीस पाल यादव, एलटी शिवानी यादव, राजकुमार, स्नेहा गौतम, रवि गौतम, ललित कुमार, बीनू गुप्ता, प्रियंका गौतम, फुरकान, माया रानी, बबिता, सोनिया, नीतू रानी, यूनूस अली, मुदस्सर नजर, चमनवती, सुषमा देवी, वंदना गौरव, अखिलेश, शोभा रानी, रहमत बी, सुनीता रानी, वंदना चौधरी, पारुल गोयल, मल्लिका तरन्नुम, तबस्सुम, शर्मिला आचार्य, फरहा परवीन, संजीता, माया रानी आदि के खिलाफ कार्रवाई हुई है।

संक्षिप्त समाचार

होटल के कमरे में युवक-युवती ने खुद को लगा ली आग, हालत गंभीर; पूछताछ में जुटी पुलिस

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना हरीपर्वत क्षेत्र स्थित होटल के कमरे में युवक-युवती ने खुद को आग लग ली। आग से घिरने के बाद जब दोनों चीखने चिल्लाने लगे, तब होटल कर्मचारियों को जानकारी हो सकी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों को गंभीर जली अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस पूछताछ में जुटी हुई है। थाना हरीपर्वत क्षेत्र स्थित होटल पार्क एवेंन्यू की ये घटना है। मंगलवार को यहां एक कमरे में ठहरे युवक और युवती ने खुद को आग लगा ली। इस आत्मघाती कदम के पीछे की वजह क्या है, ये स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। होटल में ये युवक युवती कब आकर ठहरे और आग क्यों लगाई, इस बारे में जानकारी की जा रही है।

मौत पर हंगामा: संतकबीर नगर के अस्पताल में नर्स की मौत, परिजनों ने लगाया गंभीर आरोप- हंगामा

संत कबीर नगर , एजेंसी। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के टेमा रहमत में स्थित एक निजी हास्पिटल में काम करने वाली नर्स वहां पर मृत अवस्था में मिली। परिजनों को सूचना देकर अस्पताल का स्टाफ और संचालक मौके से फरार हो गए। वहीं बस्ती से पहुंचे परिजनों ने अस्पताल पर जमकर हंगामा किया।

मौके पर एसपी तथा अन्य अधिकारी पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में किए हैं। नर्स के गले पर नाखून से खरोचने के निशान पाए गए हैं। परिजनों ने रेप और हत्या की आशंका जताई है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 28 पर स्थित निजी अस्पताल में पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के पहुरा गांव के निवासी संतराम की 24 साल की नतिनी ममता चौधरी स्टाफ नर्स का काम करती थी।

रात में 11 बजे उसने अपनी मां को फोन करके बताया कि वह सुबह घर आएगी। 8 मार्च की सुबह अस्पताल के स्टाफ ने उनको सूचना दी कि उनकी नतिनी की मौत हो गयी है। इसके बाद परिजन अस्पताल में पहुंचे तथा वहां पर हंगामा कर दिया। परिजनों का आरोप था कि उनकी बेटी की रात में हत्या कर दी गयी है।

उसके गले पर खरोच और मारने के निशान मिल हैं। हंगामें की जानकारी पाकर कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक पंकज पांडेय के साथ ही सीओ अजीत चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह तथा अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

वहीं, दोपहर में एसपी सत्यजीत गुप्ता भी मौके पर पहुंचे तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अस्पताल का संचालक मौके से फरार हो गया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

पीएम मोदी देंगे सौगात: काशी में मेडिकल कॉलेज का करेंगे उद्घाटन, 2027 से होगी पढ़ाई

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में बनने वाले मेडिकल कॉलेज में 2027 से एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू होगी। इस साल से मेडिकल कॉलेज की ओपीडी जिला अस्पताल परिसर में शुरू हो जाएगी। इससे दूरदराज से आने वाले मरीजों को सुपरस्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाएं मिलने लगेंगी। सरकारी अस्पतालों से बीएचयू और दूसरे अस्पताल जाना पड़ता था। जिला अस्पताल के सामने मानसिक अस्पताल परिसर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पांडेयपुर में बनने वाले 400 बेड वाले मेडिकल कॉलेज की आधारशिला खुद प्रधानमंत्री ने पिछले साल फरवरी में दौरे के दौरान रखी थी, अब उद्घाटन के बाद काम शुरू हो जाएगा। एमबीबीएस की 100 सीटों पर दाखिला होगा। 2027 में मेडिकल की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। पिछले दिनों लखनऊ में एक एमओयू भी हुआ, जिसमें मेडिकल कॉलेज का नाम सरस्वती देवी शिव किशन दमानी मेडिकल कॉलेज रखा गया है। इसकी बिल्डिंग कैसी होगी, सामने से यह कैसा दिखेगा, पार्किंग सहित अन्य सेवाएं भी किस तरह नजर आएंगी, यह मॉडल में दर्शाया गया है। निर्माण की बात है तो 15 एकड़ की जमीन चिह्नित करने के साथ ही अब यहां काम की तैयारियां तेज हो गई हैं।

भीषण गर्मी का कहर: उल्टी-दस्त और सिर दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ी

आगरा , एजेंसी। आगरा में बीते सप्ताह से पारा लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को पारा 42 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। इससे लोगों की हालत खराब हो गई। उल्टी-दस्त, पेट और सिर में दर्द, चक्कर आने के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ गई। सोमवार को एसएन मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में सबसे ज्यादा मरीज इन्हीं समस्याओं के आए।

मेडिसिन विभाग के डॉ. अजित चाहर ने बताया कि सोमवार को मेडिसिन विभाग की ओपीडी में 658 मरीज आए। इनमें से घबराहट, बीपी बढ़ने, सिर में दर्द, बेचैनी और उल्टी-दस्त के मरीज सबसे ज्यादा रहे। सबसे ज्यादा कामकाजी लोग रहे, जो धूप में अधिक सक्रिय रहते हैं। इनको दवा देने के साथ ही बचाव के बारे में बताया है। बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज यादव ने बताया कि बीते सप्ताह से गर्मी बढ़ने लगी है। स्कूल भी खुल गए हैं। बाजार में खुले में बिकने वाली खाद्य सामग्री-दूषित पानी से डायरिया मिल रहा है। पेट में दर्द की शिकायत भी मिल रही है। ओपीडी में सोमवार को 227 मरीज आए, इनमें से 30 फीसदी में यही दिक्कत मिली। हालत खराब मिलने पर 4 बच्चों को भर्ती भी करना पड़ा।

पर्चे के लिए मारामारी, धक्कामुक्की

-सोमवार को मरीजों की भारी भीड़ रही। एसएन में 3,248 और जिला अस्पताल में 3,500 मरीज आए। काउंटर पर पर्चा बनवाने के लिए मारामारी और धक्कामुक्की हुई। इससे मरीजों की परेशानी और बढ़ गई। सुबह 10 से 12 बजे तक तो पर्चा हॉल ठसाठस भरा रहा। पर्चे के लिए मरीजों को घंटेभर तक कतार में लगना पड़ा।

कानपुर दक्षिण में गांव से ज्यादा शहरी क्षेत्र, इसलिए नहीं बन सकती तहसील, एडीएम वित्त ने कही ये बात

कानपुर , एजेंसी। कानपुर दक्षिण में नई तहसील बनाने की कवायद राजस्व परिषद के मानकों पर खरी नहीं उतर सकी। इसी वजह से नई तहसील बनाने के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया गया है। किसी भी तहसील को बनाने के लिए कम से कम 200 राजस्व गांवों का होना अनिवार्य होता है, पर प्रस्ताव में 140 गांव शामिल किए गए थे। साथ ही दक्षिण क्षेत्र में गांव से ज्यादा शहरी क्षेत्र हैं, जो गांव हैं भी, वे नगर निगम परिक्षेत्र में आते हैं। इस वजह से प्रस्ताव खारिज हो गया।

स्थानीय स्तर पर यह प्रस्ताव दो बार बनाया जा चुका है, लेकिन शासन को पहली बार आठ माह पहले इसे भेजा गया था। प्रस्ताव में तहसील सदर के 140 राजस्व गांवों और करीब छह लाख की आबादी को शामिल किया गया था। 44 लेखपालों की आवश्यकता भी दिखाई गई थी। प्रस्ताव पर शासन स्तर पर मंथन हुआ तो इसमें लेखपाल क्षेत्रफल (एक लेखपाल क्षेत्रफल के तहत तीन से चार राजस्व गांव आते हैं) काफी कम पाया गया। मानक के अनुसार एक तहसील के लिए 100 से 120 लेखपाल क्षेत्रफल का एरिया होना जरूरी है पर प्रस्ताव में 44 लेखपालों की जरूरत बताई गई।

प्रस्ताव तहसील के मानकों पर खरा नहीं उतरा

प्रस्ताव में सदर तहसील के कुल 256 राजस्व गांवों में 140 गांव बिधनू ब्लॉक, नौबस्ता, चकेरी, रूमा क्षेत्र में हैं। 19 संग्रह अमीन भी शामिल किए गए थे। 23967 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि भी दिखाई थी। सितंबर 2024 में इस प्रस्ताव को फाइनल कर जिला प्रशासन ने राजस्व परिषद को भेज दिया था। बीते माह जब शासन स्तर पर मंथन किया गया, तो प्रस्ताव तहसील के मानकों पर खरा नहीं उतर सका। प्रस्ताव खारिज होने का अहम कारण लेखपाल क्षेत्रफल की संख्या भी कम होना बताया गया है। प्रस्ताव खारिज होने के बाद नई तहसील बनाने की कवायद भी प्रशासन स्तर पर ठंडे बस्ते में चली गई है।

डीएम स्तर पर ही खारिज हो गया था पहला प्रस्ताव

सदर तहसील में बढ़ रहे काम के बोझ को कम करने के लिए वर्ष 2022 से कानपुर दक्षिण में प्रस्तावित नई तहसील बनने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा था। पहली बार जिला प्रशासन स्तर पर जो प्रस्ताव तैयार किया गया था, उसमें घाटमपुर और बिल्हौर तहसील के करीब 100 से गांव शामिल किए गए थे। जब यह रिपोर्ट तत्कालीन डीएम राकेश कुमार सिंह के पास पहुंची तो उन्होंने इसे इस वजह से खारिज कर दिया क्योंकि इसमें दूसरे तहसीलों के गांवों को शामिल कर लिया गया था। डीएम का कहना था कि दूसरे तहसीलों के लोगों को अपने काम के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ेगी।

इसलिए पड़ी थी तहसील की जरूरत

सदर तहसील क्षेत्र में सात विधानसभा क्षेत्रों के 256 से ज्यादा गांव आते हैं। यहां की आबादी करीब 40 लाख है। गांवों के तहसील और जमीन संबंधी काम सदर तहसील से ही होते हैं। क्षेत्र बड़ा होने के कारण शिकायतें हमेशा लंबित ही रहती हैं। प्रस्तावित नई तहसील में करीब 120 गांवों को शामिल करने से काम बंट जाता तो फरियादियों को सुविधा होती और समस्याओं का समय से निस्तारण हो सकता था।

महीने भर में बन रहे प्रमाण पत्र

सदर तहसील पर भार अधिकर होने के कारण खसरा खतौनी, दाखिल-खारिज, वरासत बनवाने, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने में करीब एक माह का समय लग जाता है। जमीन खरीद-फरोख्त और कब्जे की शिकायतों के लिए बिधनू और दक्षिण के लोगों को एसडीएम कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

बिहार, गोरखपुर कनेक्शन भी खंगालेगी एसआईटी, केस डायरी खंगालने में जुटे अफसर

प्रयागराज , एजेंसी। कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्र हत्याकांड के लिए गठित एसआईटी अफसर के बिहार, गोरखपुर कनेक्शन को भी खंगालेगी। तफ्तीश के लिए पुलिस टीम बिहार के बिहटा, दरभंगा व गोरखपुर एयरबेस भी भेजी जा सकती है।

फिलहाल एसआईटी अफसर केस डायरी खंगालने में जुटे हैं। वह अफसर के सहकर्मियों से भी पूछताछ कर सकते हैं।

कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या के बाद ही उनके बिहटा व गोरखपुर एयरबेस से जुड़े दो मामले सामने आए थे। पता चला था कि गोरखपुर में एक कर्मचारी को उन्होंने सरकारी गाड़ी से डीजल चोरी करने के आरोप में निलंबित किया था। जबकि बिहटा में अनुशासनहीनता के मामले में एक कर्मचारी को आरोपपत्र जारी किया था। पूरामुफ्ती पुलिस ने इस मामले का जो खुलासा किया, उसके मुताबिक इन दोनों विवादों का हत्याकांड से कोई कनेक्शन नहीं। उधर परिजनों की मांग है कि मामले से जुड़े एक-एक बिंदु पर व्यापक जांच पड़ताल की जानी चाहिए। ऐसे में सूत्रों का कहना है कि एसआईटी बिहार व गोरखपुर कनेक्शन को लेकर भी जांच कर सकती है। इसके लिए विस्तृत दिशा निर्देश देकर पुलिस की एक टीम पूछताछ के लिए तीनों एयरबेस भी भेजी जा सकती है। इस दौरान संबंधित कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा सकती है। फिलहाल एसआईटी में शामिल वरिष्ठ अफसर मामले की केस डायरी खंगालने में जुटे हैं।

पांच चौकी प्रभारी अव्वल... एसएसपी ने किया पुरस्कृत, फिसड्डी रहने वालों के खिलाफ बैठाई जांच

बरेली , एजेंसी। बरेली में पुलिस कप्तान की कसौटी पर फिसड्डी साबित हुए पांच चौकी प्रभारियों के खिलाफ जांच बैठा दी गई है, वहीं पांच प्रभारियों को पुरस्कृत किया है। फतेहगंज पश्चिमी कस्बा चौकी प्रभारी और उनके साथी सिपाहियों पर मुकदमे और निलंबन की कार्रवाई के बाद अब एसएसपी अनुराग आर्य ने यह पहल की है।

फरवरी के मूल्यांकन में प्रथम स्थान हासिल करने वाले सेटेलाइट चौकी प्रभारी गौरव कुमार अत्री को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र व 10 हजार रुपये पुरस्कार दिया गया। द्वितीय स्थान पर रहे मीरगंज कस्बा चौकी प्रभारी यतेंद्र सिंह को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और सात हजार रुपये पुरस्कार मिला।

तीसरे स्थान पर कैंट की नकटिया चौकी के प्रभारी मोहित चौधरी रहे। उन्हें ट्रॉफी, प्रशस्तिपत्र और चार हजार रुपये मिले। चौथे स्थान पर भमोरा की सरदारनगर चौकी प्रभारी विकास यादव रहे। उनको प्रशस्ति पत्र और 2500 रुपये दिए गए। नवाबगंज कस्बा चौकी प्रभारी विदेश कुमार शर्मा को पांचवां स्थान मिला। उन्हें प्रशस्ति पत्र और 1500 रुपये पुरस्कार दिया गया है।

रुहेलखंड चौकी प्रभारी सबसे पीछे- सबसे

खराब प्रदर्शन बारादरी की रुहेलखंड चौकी के प्रभारी राहुल सिंह पुंडीर का रहा। आंवला की रामनगर चौकी के प्रभारी नरेंद्र कुमार, प्रेमनगर की अशरफ खां चौकी के प्रभारी मनोज कुमार, इज्जतनगर की कर्मचारी नगर चौकी के प्रभारी सतीश कुमार और बैरियर वन चौकी के प्रभारी संजय सिंह भी इस कसौटी पर खरे साबित नहीं हुए।

सभी के खिलाफ प्रारंभिक जांच कराई जा रही है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि विवेचना, जनशिकायतों के निस्तारण, चोरी, नकबजनी, वाहन चोरी की विवेचनाओं के निस्तारण के आधार पर मूल्यांकन किया गया है।

पीपीपी मॉडल से चमकेगा लखनऊ का चारबाग बस अड्डा, छह मंजिला बनेगी बिल्डिंग; जल्द शुरू होगा निर्माण

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के चारबाग बस अड्डे को पीपीपी मॉडल पर बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। अभी मिट्टी की टेस्टिंग की जा रही है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद निर्माण शुरू होगा। यहां जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से लैस करीब छह मंजिला बस अड्डा बनाया जाएगा।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम प्रदेशभर में बस अड्डों को पीपीपी मॉडल पर तैयार करवा रहा है। इससे बस अड्डों पर अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। चारबाग स्टेशन को भी इसी मॉडल के तहत तैयार किया जा रहा है। विभूतिखंड, गोमतीनगर और अमौसी वर्कशॉप को भी पीपीपी मॉडल पर बस स्टेशन बनाया जाएगा। गोमतीनगर में बस अड्डा बनाने का काम शुरू हो चुका है।

चारबाग शहर के प्रमुख बस अड्डों में से

एक है। यहां से कानपुर, रायबरेली, गोरखपुर, अयोध्या, फतेहपुर, मौरावां, उन्नाव, हैदरगढ़, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा आदि जिलों के बीच 24 घंटे 350 बसों का संचालन होता है। यहां से तकरीबन 25 हजार यात्री आवाजाही करते हैं। चूंकि चारबाग बस अड्डे का विकास हो रहा है, इसलिए यहां से चलने वाली बसें आलमबाग बस स्टेशन शिफ्ट की जाएंगी, जिसका निर्णय लिया जाना बाकी है।

1.28 करोड़ की स्टांप चोरी में घिरा एएमयू: एडीएम की जांच में खुलासा, एक सड़क छुपाई, स्कूल की रजिस्ट्री कराई

अलीगढ़ , एजेंसी। स्कूल की एक सड़क को छिपाकर रजिस्ट्री कराने के तीन साल पुराने मामले में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) 1.28 करोड़ की स्टांप चोरी में घिर गया है। एएमयू के सिटी स्कूल के दोनों तरफ सड़क है। लेकिन बैनामा कराते वक्त एक सड़क को छुपा लिया गया। एडीएम फाइनेंस ने जांच की तो पता चला कि यह स्कूल जीटी रोड पर बना है। इसके पीछे दूसरा मुख्य मार्ग भी है। पड़ताल के बाद पाया गया कि स्कूल के बैनामे में 1.28 करोड़ का कम स्टांप लगा है। अब इस मामले में पक्ष रखने के लिए एएमयू इंतजामिया को नोटिस दिया गया है। स्व. राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने एएमयू को वर्ष 1929 में तहसील कोल के पास 3.19 हेक्टेयर जमीन 90 वर्ष के लिए लीज पर दी थी। यह जमीन दो भूखंडों में थी। एएमयू ने इस जमीन के एक भाग 1.97 हेक्टेयर पर सिटी स्कूल बना लिया। 1.21 हेक्टेयर जमीन पर खेल का मैदान बना लिया। सन 2019 में लीज खत्म हो गई। उस समय राजा के वंशज और एएमयू में समझौता होने के बाद एएमयू ने स्कूल वाले भूखंड 1.97 हेक्टेयर की रजिस्ट्री अपने पक्ष में कराई। 1.21 हेक्टेयर खेल के मैदान की जमीन राजा के वंशजों को वापस दी। 1.97 हेक्टेयर के भूखंड के लिए एएमयू ने 4.10 करोड़ स्टांप शुल्क और 60 लाख रुपये फीस जमा की थी।

कंबोडिया गया था कमाने, जालसाज करवाने लगे साइबर अपराध- अब छोड़ने के बदले... पिता से मांगे 27 लाख

गोरखपुर , एजेंसी। क्षेत्र के मटिहनिया जुनीबी गांव निवासी युवक एक माह पहले कंबोडिया कमाने गया तो आरोप है कि उससे साइबर अपराध कराया जाने लगा। जब उसने घर जाने की जिद की तो उसे बंधक बना लिया गया। आरोप है कि विदेश से लाने के लिए युवक के पिता से 27 लाख रुपये की मांग की गई है।

पिता ने युवक के साले के खिलाफ तहरीर दी है। तहरीर के अनुसार, मटिहनिया जुनीबी गांव निवासी अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि उनका पुत्र राम प्रताप एक माह पहले कंबोडिया कमाने के लिए गया था। वहां उसे जालसाजों ने साइबर अपराधी बना दिया।

अब उसे वापस भारत भेजने के लिए 27 लाख रुपये की मांग की जा रही है। बताया कि बेटे के रिश्तेदारी के साले ने बिहार के एजेंट के जरिये कंबोडिया भिजवाया था। बेटे ने घर जाने कंबोडिया भेजने वाले साले को फोन कर बताया तो उसे वहां बंधक बना लिया गया।

इसके बाद साले ने फोन कर वापसी के लिए 21 हजार रुपये ले लिए। दो दिन पहले राम प्रताप के ठहरने व खाने आदि के खर्च के नाम पर फोन करके 27 लाख रुपये की मांग की। इस संबंध में पिपराइच थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि मामला युवक के रिश्तेदारी से जुड़ा है।

जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग एक्टिव

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतम बुद्ध नगर : जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सवारीयों की ओवर लोडिंग करने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन डा उदित नारायण पाण्डेय ने बताया कि आज सवारियों की ओवर लोडिग करने वाली 05 बसों का चालान कर निरुद्ध किया गया है। उन्होंने बताया कि सवारी वाहनों और बसों में ओवरलोडिंग के कई नुकसान हो सकते हैं, जो न केवल यात्रियों की

सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं, बल्कि सड़क यातायात और पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव डालते हैं।

ओवरलोडिंग के नुकसान: सुरक्षा पर खतराः वाहन की क्षमता से अधिक सवारियों के कारण ब्रेक, टायर और सस्पेंशन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। आपातकालीन स्थिति में वाहन को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। सवारियों के लिए निकासी का स्थान कम होने से हादसे में जानमाल का नुकसान बढ़ सकता है।

वाहन की क्षतिः ओवरलोडिंग से वाहन के पुर्जों (जैसे इंजन, टायर, ब्रेक) पर अतिरिक्त भार पड़ता है, जिससे उनकी आयु कम हो जाती है और रखरखाव का खर्च बढ़ जाता है।

ईंधन की बबार्दी: अधिक वजन के कारण वाहन को चलाने में ज्यादा ईंधन खर्च होता है, जो आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों दृष्टि से नुकसानदायक है।

यात्रियों के लिए असुविधा: भीड़भाड़ के कारण यात्रियों को बैठने या खड़े होने में परेशानी होती है, जिससे यात्रा थकाऊ और असुरक्षित बन जाती है।

कानूनी परिणाम: ओवरलोडिंग यातायात नियमों का उल्लंघन है, जिसके लिए जुमार्ना या कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

अपील: उन्होंने सभी वाहन चालकों, मालिकों और यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि सवारी वाहनों और बसों में ओवरलोडिंग से बचें। अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए वाहन की निर्धारित क्षमता का पालन करें। यह न केवल दुर्घटनाओं को रोकेगा, बल्कि सड़कों को सुरक्षित और यात्रा को सुखद बनाएगा। आइए, हम सब मिलकर जिम्मेदार नागरिक बनें और यातायात नियमों का सम्मान करें। सुरक्षित यात्रा, स्वस्थ जीवन!

आईएमएस लॉ कॉलेज में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा ने अपने विधि छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया। बुधवार को छात्रों ने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला का दौरा किया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को फॉरेंसिक विज्ञान की प्रक्रियाओं, तकनीकों तथा अपराध जांच में इसकी भूमिका से अवगत कराना था। आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने शैक्षणिक भ्रमण की सराहना करते हुए कहा कि विधि की पढ़ाई केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। छात्रों को वास्तविक स्थितियों से अवगत कराना, उन्हें बेहतर पेशेवर बनने की दिशा में भी सशक्त बनाता है। वहीं आईएमएस लॉ कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्रों ने प्रयोगशाला में विभिन्न अनुभागों का अवलोकन किया, जिसमें डॉक्स एग्जामिनेशन, फिंगरप्रिंट एनालिसिस, डीएनए टेस्टिंग, और साइबर फॉरेंसिक आदि प्रमुख रहे। वहीं विशेषज्ञों ने छात्रों के साथ संवाद करते हुए उन्हें प्रयोगशाला में प्रयुक्त आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों की जानकारी दी तथा फॉरेंसिक जांच की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।इस शैक्षणिक यात्रा के संयोजक प्रोफेसर व्यास कुमार यादव ने बताया कि राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की भ्रमण ने छात्रों को उनकी पढ़ाई के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक अनुभव से जोड़ने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने बताया कि प्रयोगशाला में छात्रों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा कि किस प्रकार वैज्ञानिक विधियां अपराध की गुत्थियों को सुलझाने में मदद करती हैं। उन्होंने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बतौर सहायक संयोजक प्रोफेसर पुष्पेन्द्र कुमार एवं प्रोफेसर संतोष सती मौजूद रहे।

भारतीय योग संस्थान का 59वां स्थापना दिवस मनाया गया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। रजत विहार योग प्रेमी माताएं-बहनें एवं युवा और वरिष्ठ नागरिकों ने सुबह 6.00 बजे योगा पॉइंट पर पहुँच कर भारतीय योग संस्थान के अधिकारी सी एम नागपाल और केंद्र प्रमुख गिन्नी झा व अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलन करके योगाभ्यास प्रारम्भ किया।विश्व हिंदू परिषद के नोएडा महानगर सह मंत्री राजीव शर्मा ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया, उन्होंने बताया कि सभी को नित्य योग करना चाहिए, विशेषकर महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के लिए कुछ समय जरूर निकालना चाहिए और घर में सभी को योगाभ्यास के लिए प्रेरित करना चाहिए।रजत विहार का योग केंद्र पिछले कई वर्षों से पूर्णतया निःशुल्क चलाया जा रहा है, जिससे रजत विहार निवासी निरंतर लाभ ले रहे हैं। योग साधक जितेंद्र अवस्थी, नवगीत पुरवार, गुलाब झा, ओ पी अग्रवाल, सुब्रत मोहाकुद, पी एल रैना, रोली शर्मा, उर्मिला बिष्ट, लता तोमर, मधु सिंह, नीलम सिंह, ममता गौड़, शीतल भाटी, रत्नम पुरवार, कोमल संतोष सोलंकी और बीजू थॉमस, मनोज कुमार व अन्य योग साधकों ने एक साथ योगाभ्यास किया।सभी ने एक पुरानी कहावत रोज करोगे योग, तो रहोगे निरोग को चरितार्थ किया।

अम्बेडकर जयंती के अवसर पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीस कमेटी की बैठक आयोजित

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतमबुद्धनगर : पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में आगामी अम्बेडकर जयंती के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य समाज में शांति और सौहार्द का माहौल बनाए रखना और किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचाव करना था। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में एसीपी द्वितीय सौम्या सिंह और आईपीएस कृतिका शुक्ला ने संभ्रांत नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक की। बैठक में थाना दादरी और थाना जारचा पर पुलिस अधिकारियों द्वारा नागरिकों से संवाद किया गया और उन्हें आगामी अम्बेडकर जयंती को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए प्रेरित किया गया। गुरुवार को आयोजित इस बैठक में पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से यह आग्रह किया कि वे किसी भी प्रकार की धार्मिक भावनाओं को ठेस न

पहुंचाएं और सुनिश्चित करें कि जयंती का आयोजन शांति पूर्वक हो। अधिकारियों ने कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा धार्मिक भावनाओं को भड़काने या किसी प्रकार के दुष्प्रचार का प्रयास किया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही, पुलिस ने नागरिकों से यह भी अपील की कि वे किसी प्रकार की अफवाहों या झूठी सूचनाओं पर ध्यान न दें और अगर कोई समस्या उत्पन्न होती है, तो तत्काल पुलिस से संपर्क करें। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए पूरी पुलिस टीम पूरी तत्परता से तैनात रहेगी। पुलिस अधिकारियों ने यह भी कहा कि शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी सिर्फ पुलिस की नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक की है। उनका कहना था कि शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण को बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों को एकजुट होकर काम करना होगा।

सड़कों पर में बनें गड्ढों में पौधा लगाकर भ्रष्टाचार का किया विरोध

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के द्वारा बनाई जा रही सड़के लगातार उखड़ रही है एवं गड्ढा युक्त हो रही हैं। जिस कारण आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं दो पहिया चालक बजरी पर फिसल कर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। जो सड़क 5 वर्ष चलनी चाहिए वह सड़क मात्र एक वर्ष में ही गड्ढा युक्त हो रही है। गुरूवार को जनपद गौतमबुद्व नगर में सक्रिय सामाजिक संस्था करप्शन फ्री इंडिया के कार्यकताओं ने प्राधिकरण के अधिकारी एवं ठेकेदारों के भ्रष्टाचार के कारण हुए गड्ढों में पापड़ी के पौधे लगाकर अनोखा विरोध किया। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय एवं कुलबीर भाटी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के द्वारा बनाई जा रही सड़कों को नियमानुसार कम से कम 5 वर्ष चलना चाहिए। लेकिन सड़क बनने के एक वर्ष बाद ही सड़क में गहर गड्ढे एवं जगह-जगह से सड़क की बजरी उखड़ जाती है। जिस कारण

प्रतिदिन दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों एवं ठेकेदारों की मिली भगत के कारण सड़कों में घटिया किस्म की सामग्री का प्रयोग कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इस भ्रष्टाचार के विरोध में करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकताओं ने आज सेक्टर-36 एवं सिग्मा प्रथम के होली पब्लिक स्कूल के गोल चक्कर से 130 मीटर रोड को जोड़ने वाली सड़क में बने गड्ढों में पापड़ी का पौधा लगाकर प्राधिकरण के भ्रष्टाचार का अनोखा विरोध किया।उन्होंने कहा कि ऐसे ठेकेदारों एवं अधिकारियों को चिन्हित कर इन पर कठोर कार्रवाई करते हुए भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर इन्हें जेल भेजना चाहिए। सड़क पर पौधारोपण का कार्य संगठन के प्रदेशाध्यक्ष बलराज हूंण के नेतृत्व में किया गया।इस दौरान कुलबीर भाटी, पवन यादव, नीरज भाटी, विजय प्रताप सिंह, धर्मेंद्र भाटी, पुनीत भाटी, देवेंद्र नागर (क्यामपुर), पुष्पेंद्र शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

रामकथा में राम जानकी विवाह का सुंदर वर्णन किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के पांचवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने श्रीराम सीता विवाह, लक्ष्मण परशुराम संवाद आदि प्रसंगो जनकपुरी पहुंचने पर मुनि समेत दोनों भाइयों का जनक जी द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया जाता है।जनक जी अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। जनक जी का प्रण सुनकर देश देशांतर के बलशाली राजा आए लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी धनुष नहीं तोड़ पाए।गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष उठा लिया। भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी जी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। देवता ऊपर से पुष्प वर्षा करते हैं और चारों ओर खुशियां छा जाती हैं।आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 11 अप्रैल को राम राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास, केवट संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर देवमणि शुक्ल , रवि राघव, गोरे लाल, संजय पांडेय, हरि सिंह, ब्रिजेन्द्र सिंह, संजय शुक्ला, रमेश चंद शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, विष्णु शर्मा, रमेश वर्मा, नीरज शर्मा, गौरव, पप्पू सिंह, जितेंद्र सतपति, उमाकांत त्रिपाठी, हंसमणि शुक्ला, विकास शर्मा, रविंद्र कुमार , देवेंद्र गुप्ता, बहादुर चौहान, रमेश दास, अंगद सिंह तोमर , सुशील पाल सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा गौतमबुद्ध नगर द्वारा दादरी विधानसभा में बाइक रैली का हुआ भव्य आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दादरी। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा युवा मोर्चा गौतमबुद्ध नगर द्वारा दादरी विधानसभा में बाइक रैली का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, क्षेत्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा सुखविंदर सोम, प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा वरुण गोयल, दादरी नगर पालिका चेयरमैन गीता पंडित, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राज नागर ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली के कार्यक्रम में ही नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा का वहां की जनता ने फूलमाला व बुके देकर बधाई व शुभकामनाएं दी। बाइक रैली का शुभारंभ जारचा मंडल के गांव कलौंदा से होते हुए लगभग दर्जनों गांव होते इस बाईक रैली का समापन एनटीपीसी में महाराणा प्रताप जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने सभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता का आभार जताते हुए स्थापना दिवस के अवसर पर चल रहे पार्टी के 14 अप्रैल तक के सभी आयामों में जुड़ जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की असली ताकत हमारे कार्यकर्ता हैं। यही कार्यकर्ता केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव, गली-गली तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। यही वे लोग

हैं जो संगठन की विचारधारा को आम जनमानस से जोड़ते हैं।दादरी विधायक तेजपाल नागर ने बताया देश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 8 वर्षों में प्रदेश को भयमुक्त, भ्रष्टाचारमुक्त, विकासयुक्त और सशक्त उत्तर प्रदेश की दिशा में अग्रसर किया है। चाहे वह कानून-व्यवस्था हो, सड़कें हों, शिक्षा, स्वास्थ्य, निवेश या रोजगार, हर क्षेत्र में प्रदेश ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।क्षेत्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा सुखविंदर सोम ने कहा कि रैली में युवाओं का जोश, उत्साह और सरकार के प्रति समर्थन देखने योग्य है, इस रैली के सफल आयोजन के लिए भाजयुमो के समस्त कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं सहभागी युवाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा वरुण गोयल ने बताया रैली का मुख्य उद्देश्य योगी सरकार की उपलब्धियां को जनता तक पहुंचाना और सरकार एक संगठन के प्रति आभार व्यक्त करना है।युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राज नागर ने दादरी विधानसभा बाइक रैली को सफल बनाने में रैली के संयोजक व जिला मंत्री ठाकुर बृजेश सिंह व उनकी युवा टीम का विशेष योगदान रहा है। युवा कार्यकताओं ने बड़ी उत्साह से इस बाइक रैली में भाग लिया। रास्ते में कई गांवों में बाइक रैली पर पुष्प वर्षा कर व माला पहनाकर स्वागत व अभिनंदन किया गया। बाइक रैली में जिला महामंत्री भाजपा मनोज गर्ग, जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्या, पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र भाटी, जारचा मंडल अध्यक्ष धीर राणा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विमल पुंडीर, वरिष्ठ नेता अजीत मुखिया, देवेंद्र त्यागी, एच के शर्मा, सोमेश त्यागी, विनोद शर्मा, जिला महामंत्री युवा मोर्चा ठाकुर शक्ति सिंह, चेतन वशिष्ठ, जिला मंत्री बालेश्वर नागर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ऋषभराज शर्मा, आशु कौशिक, पंकज अग्रवाल आदि पार्टी के सम्मानित कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे*

भारत के छ राज्य नक्सलवाद की गिरफ्त में,दो वर्ष में 58 सैनिक शहीद

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। पिछले दो वर्षों में केंद्र सरकार ने नक्सलवादियों पर शिकंजा और कसा है , जिसमें अप्रैल 2023 से लेकर 31 मार्च 2025 तक 479 नक्सलवादी ढेर कर दिए गए हैं लेकिन इस दौरान 58 भारतीय जवान भी शहीद हुए हैं , यह जानकारी समाजसेवी डॉ रंजन तोमर के सवालों पर ग्रह मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई है।दूसरे सवाल में पूछा गया था की देश के वह कौन कौन से राज्य हैं जहाँ अभी भी नक्सलवाद ने अपने फन फैलाया हुआ है और उसे पूरी तरह नहीं कुचला जा सका है , इसके जवाब में मंत्रालय कहता है की फिलहाल आंध्र प्रदेश , छत्तीसगढ़ , झारखण्ड , महाराष्ट्र,ओडिशा एवं तेलंगाना में नक्सलवाद जारी है।डॉ रंजन तोमर ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं ग्रह मंत्री अमित शाह द्वारा लगातार नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने का अच्छा प्रयास किया जा रहा है लेकिन इस दौरान भारतीय जवानों की शहादत एक बड़ी चिंता का विषय है।सरकार को जल्द से जल्द इस समस्या से देश को निजात दिलानी पड़ेगी।

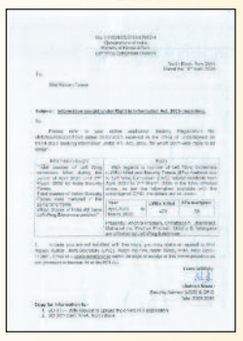

आंबेडकर जयंती शांतिपूर्वक मनाने की अपील

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। दादरी और थाना जारचा में गुरुवार को पुलिस ने लोगों के साथ आंबेडकर जयंती को लेकर बैठक की। नागरिकों के साथ संवाद कर जयंती शांतिपूर्वक मनाने और किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाने की अपील की। किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने और कोई समस्या होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने के लिए कहा गया। धार्मिक भावनाएं भड़काने या दुष्प्रचार करने का प्रयास करने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। बैठक में एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार, एसीपी द्वितीय सौम्या सिंह और आईपीएस कृतिका शुक्ला मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा ने बाइक रैली निकाली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। प्रदेश में योगी सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर गुरुवार को भाजपा युवा मोर्चा ने दादरी विधानसभा क्षेत्र में बाइक रैली निकाली। रास्ते में कई गांवों में बाइक रैली पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। बाइक रैली का शुभारंभ जारचा मंडल के गांव कलौंदा में किया गया। दादरी विधायक तेजपाल नागर, नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा सुखविंदर सोम, प्रदेश महामंत्री वरुण गोयल, दादरी नगर पालिका चेयरमैन गीता पंडित और युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राज नागर ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से होते हुए दादरी एनटीपीसी पहुंची और महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण कर समापन किया गया। जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों से जुड़ने की अपील की। विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने बीते आठ वर्षों में प्रदेश को भय और भ्रष्टाचारमुक्त और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया।

टैरिफ वार में 10 हजार करोड़ के ऑर्डर फंसे

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। अमेरिका के टैरिफ वार से जिले के निर्यातकों के 10 हजार करोड़ रुपये के ऑर्डर फंस गए। स्थिति स्पष्ट नहीं होने की वजह से उद्यमी ऑर्डर का माल न तैयार कर पा रहे और न निरस्त कर पा रहे। ऐसे में निर्यातकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका के 26 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ बढ़ाने से शहर के कारोबारियों की चिंता भी बढ़ गई है। हालांकि, अगले तीन महीनों के लिए अमेरिका ने बढ़े हुए टैरिफ पर रोक लगा दी है। दूसरी ओर, जिले के निर्यातकों का कहना है कि इस उठापटक में 10 हजार करोड़ रुपये के ऑर्डर फंसे हुए हैं। सेक्टर-63 के गारमेंट एक्सपोर्ट के उद्यमी श्रवण कुमार ने बताया कि हर वर्ष अप्रैल के पहले सप्ताह में अमेरिका से क्रिसमस पर्व के लिए ऑर्डर की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाती थी। इसके बाद मॉल तैयार शुरू कर दिया जाता था। इस बर टैरिफ वार की वजह से स्थिति साफ नहीं हुई है।

निर्यातक अभिषेक शर्मा ने बताया कि टैरिफ पर स्थिति पूरी तरह साफ न होने से अमेरिका समेत विश्व के अन्य देश के खरीदार कम ऑर्डर दे रहे। ऐसे में इकाई में धीमी गति से कार्य चल रहा है। जबकि, खर्च नियमित है। अगर कर्मचारियों की छंटनी कर दी जाए और उसके बाद ऑर्डर मिल गए तो परेशानी और बढ़ जाएगी। निर्यातक अंकुर मिश्रा ने कहा कि मौजूदा हालात में अगले कुछ महीनों तक असमंजस की स्थिति में कारोबार करना पड़ेगा। इससे निर्यातकों के मुनाफे पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी।

जिले से 80 हजार करोड़ का सालाना निर्यात

जिले से अमेरिका समेत विश्व के बाजारों में 20 हजार से अधिक उद्यमी विभिन्न उत्पादों का निर्यात करते हैं। सालाना करीब 80 हजार करोड़ रुपये का निर्यात किया जाता है। इसमें सबसे ज्यादा गारमेंट एक्सपोर्ट, ऑटो पार्ट्स, इलेक्ट्रिक उपकरण, सुरक्षा उपकरण, हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम समेत अन्य उत्पाद शामिल है। विश्व के सभी देशों की तुलना में अकेले अमेरिका से ही 40 प्रतिशत से अधिक निर्यात किया जाता है।

शाही पनीर नहीं देने पर नोएडा के होटल में मारपीट, बुलेट सवार युवकों ने मचाया उत्पात

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। सेक्टर 49 थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर 51 के होशियारपुर गांव में स्थित बालाजी शुद्ध भोजनालय में शाही पनीर नहीं मिलने पर दो बुलेट सवार युवकों ने होटल मालिक और स्टाफ के साथ मारपीट की। यह घटना बीती 8 अप्रैल की रात करीब 11 बजे की है, जो होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत सेक्टर 49 थाना पुलिस से की है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

होशियारपुर गांव निवासी प्रदीप का गली नंबर पांच में बालाजी शुद्ध भोजनालय नाम से एक होटल है। जानकारी के मुताबिक, 8 अप्रैल की रात को गांव का ही लव नाम का युवक अपने एक दोस्त के साथ बुलेट बाइक पर सवार होकर होटल पहुंचा। दोनों ने शाही पनीर की मांग की, लेकिन होटल मालिक ने उन्हें बताया कि रात के समय होटल बंद होने की वजह से शाही पनीर उपलब्ध नहीं है। इस बात से नाराज होकर दोनों युवकों ने पहले होटल मालिक से बहस की और फिर हाथापाई शुरू कर दी।

घटना का पूरा वीडियो सीसीटीवी में कैद

प्रदीप और होटल स्टाफ के साथ मारपीट करने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। इस घटना का पूरा वीडियो होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया, जो अब पुलिस के पास सबूत के तौर पर मौजूद है। पीड़ित प्रदीप ने बताया कि आरोपियों ने न सिर्फ उनके साथ मारपीट की, बल्कि होटल में तोड़फोड़ करने की भी कोशिश की। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत सेक्टर 49 थाने में दर्ज कराई है।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपी लव गांव का ही रहने वाला है, जबकि उसके साथी की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने मारपीट, धमकी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे आरोपों के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है।

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद

उमेश चतुर्वेदी

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की

छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है।

अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फामूर्ला रहा है। त्रिभाषा फॉमूर्ले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

संपादकीय

राज्यपाल पर लगाम

सर्वोच्च न्यायालयय ने तमिलनाडु.सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में जो फैसला दिया है, वह कई अर्थों में एक निर्णायक फैसला है जिसने तमिलनाडु.के वर्तमान राज्यपाल आर. एन. रवि की भूमिका को न केवल कड़ी आलोचना के घेरे में खड़ा किया, बल्कि उसे सीमित भी कर दिया। इस फैसले ने राज्यपालों द्वारा विशेषकर उन राज्यों में जहां केंद्र सरकार के विरोधी दलों की सरकारें हैं, सरकारों पर मनमानी तरीके से अपने अधिकारों द्वारा अंकुश लगाने के प्रयासों को लगभग समाप्त कर दिया है। राज्यपाल की भूमिका को सीमित तो कर दिया है, साथ ही उसे नियमबद्ध भी कर दिया है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि राज्यपाल संवैधानिक तरीके से जनता द्वारा चुनी गई सरकार के विधिवत पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के मामले में अनिश्चित अवधि तक लंबित नहीं रख सकते। अब आगे से कोई राज्यपाल किसी भी पारित विधेयक को एक महीने से अधिक अपने पास लंबित नहीं रख सकता। अगर यह विधेयक राज्यपाल के द्वारा वापस कर दिया जाता है, और पुर्नविचार के लिए पुनः उसके पास आता है तो वह उसे राष्ट्रपति को भी नहीं भेज सकते। राष्ट्रपति को वह पहली बार में ही भेज सकेंगे। अगर निश्चित अवधि के बाद भी कोई विधेयक लंबित रखा जाता है तो उसे स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा। इस बिना पर अदालत ने तमिलनाडु.सरकार द्वारा पारित वे सभी विधेयक जिन्हें राज्यपाल ने अपने पास दबा रखा था, स्वीकृत मान लिए जाएंगे। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से यह तो तय है कि अब कोई भी विधेयक राज्यपाल की मनमर्जी की जकड़बंदी की गिरफ्त में नहीं रहेगा। शीर्ष अदालत ने इस समुचित प्रक्रिया को समयबद्ध और सीमाबद्ध करके निश्चित तौर पर एक बड़ा काम किया है और इससे राज्यपाल तथा राज्य सरकारों के बीच उठने वाले विलंब संबंधी विवादों पर रोक लगेगी। लेकिन भविष्य में इस पर नजर रखनी होगी कि ऐसी सूरत में जब केंद्र में किसी और दल की सरकार हो और राज्य में किसी और दल की तो राज्य सरकारें अपने राजनीतिक मतभेदों के चलते इस नवनिर्धारित प्रक्रिया का दुरुपयोग न करें। केंद्र सरकार को भी यह ध्यान में रखना होगा कि राज्य पर नियंत्रण रखने के लिए राज्यपाल रूपी हथियार की मारक क्षमता बहुत सीमित कर दी गईहै। उसे भी राज्य के साथ अनावश्यक टकराव को टालना होगा अन्यथा सर्वोच्च न्यायालय का जो फैसला सराहनीय और स्वागतयोग्य लग रहा है, वह विपरीत परिणाम देने वाला सिद्ध न हो।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है।

सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है।

क्या कांग्रेस अधिवेशन से निकल आया जीत का मंत्र?

डॉ हिदायत अहमद खान

गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न हुआ कांग्रेस का दो दिवसीय अधिवेशन महज एक औपचारिक सभा नहीं थी, बल्कि इसे एक सियासी पुनर्जागरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। दशकों से गुजरात की सत्ता से बाहर कांग्रेस ने यहां से एक नई रणनीति, नई चेतना और शायद एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बयानों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि पार्टी अब आक्रामक तेवरों के साथ मैदान में उतरने के मूड में है। दरअसल अधिवेशन की शुरूआत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की पारदर्शिता पर सवाल उठाए और बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग भी रखी। खड़गे कहते हैं कि सरकार ने एक ऐसी तकनीक अपनाई हुई है जिससे विपक्ष को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि 150 सीटों में से 138 सीटों पर बीजेपी की जीत संदिग्ध है। खड़गे ने यह कहकर सरकार पर आरोप ही नहीं लगाए बल्कि उन्होंने पार्टी कार्यकताओं और देश के मतदाताओं में यह विश्वास पैदा करने की कोशिश की है, कि ईमानदार चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन संभव है। वहीं राहुल गांधी ने अपने सशक्त भाषण से अधिवेशन में जहां जान फूंकने का काम किया वहीं पार्टी से जुड़े लोगों को एक पार्टी विचारधारा के तहत एकजुट होकर मैदान में आने का आव्हान भी किया है। उन्होंने यहां वक्फ संशोधन कानून पर बीजेपी पर सीधा हमला बोला और इसे ह्यफ्रीडम ऑफ रिलीजनह्ण और संविधान पर हमला करार दिया है। साथ ही, उन्होंने गुजरात में कांग्रेस के भीतर व्याप्त गुटबाजी पर खुलकर बात की और यह स्वीकार किया कि पार्टी के कुछ नेता जनता से कटे हुए हैं या विरोधी दलों से मिले हुए हैं। पार्टी के शीर्ष नेताओं का यह आत्ममंथन इस बात की ओर इशारा करता है कि कांग्रेस अब संगठनात्मक शुद्धि की दिशा में भी कदम बढ़ा रही है। यह एक तरह से देर आयद दुरुस्त आयद को ही चरितार्थ करने जैसा है। इस पर दो दशक पहले ही विचार कर लिया जाना चाहिए था, तब शायद पार्टी को इतना ज्यादा नुक्सान भी नहीं हुआ होता। नेताओं की आपसी खींचतान और बेमानी रुतबे के कारण पार्टी रसातल पर पहुंच गई। पहले एक-एक कर कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले राज्य हाथ से जाते गए और फिर केंद्र में भी पकड़ ढीली हो गई। नतीजा यह हुआ कि पार्टी के साथ नेताओं का भी बर्चस्व जाता रहा और स्थानीय स्तर पर भी कांग्रेस का वो कद नहीं रहा जो पहले कभी हुआ करता था। इस स्थिति से पार्टी को उबारने के लिए राहुल गांधी और उनकी सीमित टीम जी-जान से लगी रही। यहां कहना गलत न होगा कि राहुल की मेहनत पर पानी फेरने का काम विरोधी सियासी पार्टियों और उनके नेताओं ने उतना नहीं किया जितना कि खुद कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं ने किया। बात अगर गुजरात राज्य की ही कर लें तो यहां कांग्रेस पिछले तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि गुजरात में युवाओं की एक ऐसी पौध तैयार हो चुकी है जिसे शायद यह भी न पता हो कि कांग्रेस की रीति-नीति और उसकी सरकार क्या और कैसे काम करती है। बहरहाल यह कहने की बात है, क्योंकि यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि गुजरात में कांग्रेस का लगभग 30 प्रतिशत वोट शेयर है, जो यह संकेत देता है कि पार्टी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। पार्टी की नीति और रीति के प्रति जनता में लोकप्रियता बरकरार है। बस चुनाव के दौरान चाहने वालों और प्रशसंकों को वोट में कनवर्ट करने का जादू और फामूर्ला पार्टी नेताओं ने भुला दिया है। यह कम बात नहीं है कि राहुल गांधी ने गुजरात में कांग्रेस की कमजोरी को स्वीकारा है और यह भी कहा है कि अगर संगठन में 30-40 लोगों को हटाना पड़े तो वो इसके लिए तैयार हैं। यह बयान न सिर्फ कांग्रेस की नीयत को दिखाता है, बल्कि एक नई शुरूआत की मंशा भी जाहिर करता है। पिछले 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने गुजरात में एक सीट जीती और करीब 31 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। यह नतीजा भले ही मामूली हो, लेकिन कांग्रेस के लिए यह मनोवैज्ञानिक जीत थी, खासकर पिछले चुनाव में मिली करारी हार के बाद यह ऑक्सीजन जैसी प्रतीत हुई है। अब जबकि विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है, कांग्रेस को अकेले ही गुजरात में अपनी जमीन फिर से तैयार करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। वैसे भी पार्टी अधिवेशन के जरिए कांग्रेस ने एक बार फिर यह जतला दिया है कि वह गुजरात को हल्के में नहीं ले रही है। संगठन निर्माण, जनसंपर्क और आक्रामक राजनीति के जरिए वह बीजेपी को टक्कर देने की तैयारी कर रही है। हालांकि अभी बीजेपी गुजरात में बेहद मजबूत है, लेकिन राजनीति संभावनाओं का खेल है। अगर कांग्रेस अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत कर पाती है, नए और प्रभावशाली नेताओं को उभारती है और जनता से सीधा संवाद कायम करती है, तो आने वाले वर्षों में वह फिर से राज्य की राजनीति में दमदार वापसी कर सकती है। अंततः इस अधिवेशन से कोई जादुई मंत्र तो निकलता हुआ नहीं दिखा, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने अपने घर को सजाने-संवारने के साथ ही एक विचारधारा के सूत्र में पार्टी को पिरोने का जो काम शुरू किया है यही शायद जीत की पहली शर्त होती है।

मोदी का कथनः एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामेश्वरम में उल्लेखनीय बात कही, 'भगवान श्री राम की अयोध्या से रामेश्वरम तक उत्तर से दक्षिण की यात्रा ने भारत को सांस्कृतिक रूप से एक पहचान देते हुए देश को जोड़ने का काम किया।' वास्तव में राम, लक्ष्मण, सीता के वनगमन ने देश को न केवल सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का काम किया, बल्कि जो वनवासी थे, उन्हें भी एक सनातन समुदाय और एक संस्कृति से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया था। यही कार्य सतयुग में परशुराम ने उत्तर से पूर्वोत्तर और पूर्वोत्तर से दक्षिणी समुद्री तट केरल तक की यात्रा करके किया था। तत्पश्चात द्वापर युग में कृष्ण ने पांडवों के वनवास को सार्थकता देने के लिए देश को सांस्कृतिक एकरूपता में ढालने के लिए पूर्वोत्तर तक यात्रा कराई थी।

इस नाते कहा जा सकता है कि भारत की यही वे सांस्कृतिक यात्राएं थीं, जिनके चलते भारत आज भी सांस्कृतिक एकरूपता में ढला हुआ है। प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथों में 'रामायण' जनमानस में सबसे ज्यादा लोकप्रिय ग्रंथ है। भारत के सामंत और वर्तमान संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र में राम के आदर्श मूल्य और रामराज्य की परिकल्पना प्रकट अथवा अप्रकट रूप में हमेशा मौजूद रही है। अतएव रामायणकालीन मुल्यों ने भारतीय जन-मानस को सबसे ज्यादा उद्वेलित किया है। इस जन-समुदाय में रामकथाओं में उल्लेखित वनवासी जातियां भी शामिल हैं, जिन्हें वानर, भालू, गिद्ध, गरुड़ भील, कोल, नाग इत्यादि कहा गया है। यह सौ प्रतिशत सच्चाई है कि ये लोग वन-पशु नहीं थे। इसके उलट वन-प्रांतों में रहने वाले ऐसे विलक्षण समुदाय थे, जिनकी निर्भरता प्रकृति पर अवलंबित थी। उस कालखंड में इनमें से अधिकांश समूह वृक्षों की शाखाओं, पर्वतों की गुफाओं या फिर पर्वत शिखरों की कंदराओं में रहते थे। ये अर्धनग्न अवस्था में रहते थे और रक्षा के लिए पत्थर और लकड़ियों का प्रयोग करते थे। इसलिए इन्हें जंगली प्राणी का संबोधन कथित सभ्य समाज करने लगा।

अलबत्ता, सच्चाई यह है कि राम को मिले चौदह वर्षीय वनवास के कठिन समय में जंगली मान लिए गए ये वनवासी समूह राम की वनवास यात्रा में सहयोगी नहीं बने होते तो आर्य राम का अनार्य रावण पर विजय पाना असंभव था। राम को वनगमन के बाद पहला साथ निषादराज गुह का मिलता है। इलाहाबाद के पास निषाद राज्य की सीमा शुरू होती है। निषाद को जब राम के आगमन की खबर मिलती है तो वे स्वयं राम की अगवानी के लिए पहुंचते हैं। हालांकि निषाद वनवासी नहीं हैं, लेकिन शूद्र माने जाने वाली जातियों के समूह में हैं, जिन्हें ढीमर, ढीबर, मछुआरा और बाथम कहा गया है। निषाद लोग शिल्पकार थे। उत्कृष्ट नावें और जहाजों के निर्माण में निपुण थे। निषाद के पास पांच सौ नौकाओं का बेड़ा उपलब्ध होने के साथ यथेष्ट सैन्य-शक्ति भी मौजूद थी। अतएव निषाद राज गुह ऐसे पहले व्यक्ति थे, जो राम को कौशल राज्य की सीमाओं के बाहर सुरक्षा का भरोसा देते हैं। हालांकि राम के आगे बढ़ते जाने के साथ उनसे अत्रि, वाल्मीकि, भारद्वाज, अगस्त्य, शरभंग, सुतीक्ष्ण, मांडकणि और मतंग ऋषि मिले। वनवासियों के बीच वन-खंडों में रहने वाले इन ऋषियों ने ही राम का मार्ग प्रशस्त किया। ऋषियों की वेधशालाएं, अग्निशालाएं और आश्रम थे, उन पर राक्षस तो आक्रमण करते हैं, लेकिन वनवासियों ने किसी ऋषि को कष्ट पहुंचाया हो ऐसा वाल्मीकि रामायण या अन्य रामायणों में उल्लेख नहीं मिलता।

पूर्वोत्तर के वर्तमान सातों राज्य पश्चिम बंगाल और असम के विभाजन के फलस्वरूप स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आए हैं। प्रागैतिहासिक काल के पन्नों को खंगालें तो पता चलता है कि भगवान परशुराम और कार्तवीर्य अर्जुन के बीच जो भीषण युद्ध हुआ था, उसके अंतिम आततायी को परशुराम ने अरु णाचल में जाकर मारा था। अंत में यहीं के 'लोहित क्षेत्र' में पहुंच कर ब्रह्मपुत्र नदी में अपना रक्त-रंजित फरसा धोया था। किंवदंती है कि लोहित कुंड़ में फरसा धोने के बाद से ही यहां का पानी आज भी लाल है। यहां कालांतर में स्मृति स्वरूप पांच कुंड बनाए गए, जिन्हें समंतपंचक रुधिर-कुंड कहा जाता है। ये कुंड आज भी अस्तित्व में हैं। इस क्षेत्र में यह दंतकथा भी प्रचलित है कि इन्हीं कुंडों में भृगुकुल भूषण परशुराम

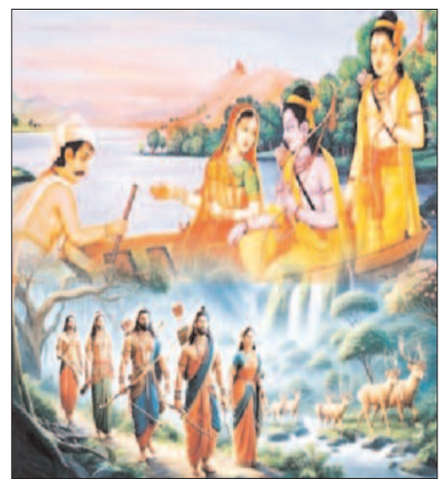

ने युद्ध में मारे गए योद्धाओं का तर्पण किया था। परशुराम यही नहीं रु के, उन्होंने शूद्र और इस क्षेत्र की जो आदिम जनजातियां थीं, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके उन्हें ब्राह्मण बनाया और सामूहिक विवाह कराए। तत्पश्चात परशुराम केरल पहुंचे और वहां के कोंकण क्षेत्र में वनवासियों की मदद से समुद्र से धरती को बाहर निकाल कर खेती की शुरू आत कराई और जो अविवाहित युवा वनवासी थे, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके युद्ध में मारे गए योद्धाओं की विधवाओं से पाणिग्रहण कराया। पांडवों ने उत्तर से पूर्वोत्तर की यात्रा करके छोटी जातियों की स्त्रियों से अर्जुन और भीम ने अनेक विवाह किए और सनातन संस्कृति स्थापित की।

महिपालपुर से दिल्ली पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने गुरुवार को भारत में अवैध रुप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को महिपालपुर इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपित मोहम्मद 15 वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। आरोपित को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बांग्लादेश भेजने के लिए निर्वासन केंद्र में भेज दिया गया है। एसीपी विजय सिंह ने बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर विजय बालियान की टीम अवैध प्रवासियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इसी कड़ी में टीम को सूचना मिली कि महिपालपुर इलाके में एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक रह रहा है। पुलिस ने संदिग्ध मोहम्मद की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खुद को भारतीय नागरिक बताया, लेकिन सही दस्तावेज दिखाने में वह असफल रहा। जिसके बाद सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मोंटो पुत्र मो. यूसुफ निवासी ग्राम मोलूगंज, थाना सोलुमखुला, जिला बागिरहाट, बांग्लादेश का रहने वाला है। 15 वर्ष से भारत में गैर कानूनी तरीके से रह रहा था। अधिकारी ने बताया कि कानूनी औपचारिकताओं के बाद मोहम्मद को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) निर्वासन केंद्र भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि और अधिक अवैध प्रवासियों का पता लगाने और निर्वासित करने के लिए अभियान जारी है।

केजरीवाल अभी तक नहीं पचा पाए दिल्ली की हार : बिधूड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के अन्य नेता अभी तक आम आदमी पार्टी की हार को पचा नहीं पा रहे। वे दिल्ली की भाजपा सरकार के खिलाफ अनाप-शनाप झूठे आरोप लगा रहे हैं और जबकि जनता ही उनके झूठे आरोपों को नकार रही है। जिस झूठ की राजनीति के कारण आज उनकी यह स्थिति बनी है, आज भी वे उसी नीति पर चल रहे हैं। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में हार के बाद केजरीवाल पंजाब में डेरा डाले हुए हैं क्योंकि अब उन्हें पंजाब के हाथ से खिसकने का डर सता रहा है। उन्हें पता है कि पंजाब में जो स्थिति बन गई है, उसमें आम आदमी पार्टी से जनता बुरी तरह निराश हो चुकी है। इसलिए वह लुधियाना पश्चिम की विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं जहां उन्होंने अपनी ही पार्टी के राज्यसभा सांसद को ही उम्मीदवार बनाया हुआ है। वह उस सीट को इसलिए जीतना चाहते हैं कि राज्यसभा की सीट खाली हो सके और वह राज्यसभा में पहुंच सकें। इसीलिए उन्होंने दिल्ली का त्याग कर दिया है। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद अरविंद केजरीवाल अब तक सिर्फ तीन मौकों पर सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिए हैं। पहला मौका तो वो था, जब नतीजे वाले दिन ही उन्होंने एक वीडियो जारी किया और खुद की हार स्वीकार करते हुए बीजेपी को बधाई दी थी। फिर दूसरा मौका तब आया, जब उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री, मंत्री और सारे आप विधायकों को दिल्ली बुलाया और उनके साथ बैठक की। तीसरा मौका तब आया जब आतिशी को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। उसके बाद से ही अरविंद केजरीवाल सार्वजनिक तौर पर दिखाई नहीं पड़े। बिधूड़ी ने कहा कि अब वह बिजली संकट पर बयान जारी कर रहे हैं जबकि वह स्वयं ही दिल्ली में नहीं रह रहे। जाहिर है कि वह केवल झूठी बयानबाजी करके दिल्ली की जनता को धोखा देना चाहते हैं लेकिन जनता उनकी एक नहीं सुन रही। खुद जनता और बिजली कंपनियां ही कह रही हैं कि राजधानी में कोई बिजली संकट नहीं है।

आयुष्मान कार्ड जारी होने से दिल्ली भाजपा का चुनाव 2025 का सबसे बड़ा संकल्प पूरा : वीरेन्द्र सचदेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने आज आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पहले आयुष्मान कार्ड जारी होने का स्वागत किया है और कहा है की इसी के साथ दिल्ली भाजपा के विधानसभा चुनाव 2025 का सबसे बड़ा संकल्प पूरा हो गया है। उन्होने कहा है की आज केन्द्र सरकार एवं दिल्ली सरकार के बीच समझौते के साथ ही दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने दिल्ली वालों को कुछ आयुष्मान कार्ड जारी कर औपचारिक शुरुआत की है। केन्द्रीय स्वास्थ मंत्री द्वारा संकेतिक आयुष्मान कार्ड वितरण से प्रारम्भ हुई इस आयुष्मान भारत योजना का लाभ शीघ्र ही दिल्ली के 30 लाख निम्न आय लोगों के साथ ही 70 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 6 लाख बुजुर्गों तक पहुंचेगा। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की जहां देश के अन्य राज्यों में आयुष्मान कार्ड से लाभार्थी 5 लाख रूपए तक का मेडिकल इलाज पा सकता है वहीं दिल्ली में स्थानीय सरकार के टाप अप के साथ लाभार्थी हर वर्ष 10 लाख रूपए तक का निशुल्क इलाज पा सकेंगे। श्री सचदेवा ने कहा है की दिल्ली भाजपा मंडल स्तर पर आयुष्मान कार्ड जारी करवाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने का जागरूकता अभियान चलायेगी।

सतगुरु बाबा राम जी शाह महाराज की जयंती पर संत सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सतगुरु बाबा राम जी शाह महाराज की जयंती के मौके पर भगवान वाल्मीकि आश्रम पंचकुइयां रोड स्थित उनके परम शिष्य वाल्मीकि समाज के महामंडलेश्वर कृष्ण साह विद्यार्थी द्वारा बुलाए गए संत सम्मेलन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पहुंची। सम्मेलन में मंत्री परवेज साहब सिंह वर्मा, मनिंदरजीत सिंह सिरसा, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा सांसद योगेंद्र चंदोलिया, बांसुरी स्वराज भाजपा विधायक रविकांत उज्जैनवाल पंजाब के वाल्मीकि समाज के महामंडलेश्वर प्रगट नाथ इस्कॉन मंदिर के पुजारी महंत सूरज गिरी हनुमान मंदिर करोल बाग सतीश दास महाराज महामंडलेश्वर रघुवनंद महाराज जैन साध्वी दीप्ति महाराज महंत ज्ञानी जी अखिल भारतीय महर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के प्राचारी महंत राजू चंदेल, महंत ज्ञानी जी मालंदा वाल्मीकि आश्रम पंचकुइयां मंदिर आश्रम रूपेश मेहरा वीर सेन अटवाल, सुमेश लिलोठिया सहित देश की धार्मिक राजनीतिक व्यापारिक महान हस्तियां इस संत सम्मेलन में मौजूद रही।

सीएम रेखा गुप्ता और एलजी वीके सक्सेना ने किया वजीराबाद में यमुना की सफाई का निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने गुरुवार को वजीराबाद स्थित पॉल्यूशन कंट्रोल सेंटर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में यमुना नदी की सफाई का जायजा लिया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद रहे।

दरअसल, दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने के बाद भाजपा सरकार लगातार यमुना की सफाई को लेकर स्वच्छता अभियान चला रही है। इसी के चलते दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने वजीराबाद पॉल्यूशन कंट्रोल सेंटर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने वजीराबाद में नाले की सफाई के काम का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा के अलावा दिल्ली सरकार के कई अधिकारी भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि अगर सही योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए तो इस जगह को पर्यटन स्थल में तब्दील किया जा सकता है। साथ ही सुबह और शाम के समय लोग वॉक करने के लिए भी यहां आ सकें, जिससे आसपास के इलाके के साथ पूरी दिल्ली के लोगों को भी फायदा होगा और यहां का वातावरण भी स्वच्छ होगा।

बता दें कि दिल्ली सरकार ने बीते महीने पेश किए बजट में यमुना की सफाई के लिए 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि स्वच्छता और साफ पानी दिल्ली की पहचान बनेगी। यमुना नदी की सफाई और सीवेज सिस्टम के सुधार के लिए यह बजट पुरानी सरकारों की तुलना में तिगुना है। पुराने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को 500 करोड़ रुपये की लागत से सुधारने की योजना बनाई गई है।

इससे पहले यह भी जानकारी सामने आई थी कि दिल्ली में यमुना नदी की सफाई को लेकर जल शक्ति मंत्रालय मिशन मोड पर काम कर रहा है। सफाई के लिए विशेषज्ञों से राय ली गई है। मंत्रालय का फोकस दो चरणीय दृष्टिकोण पर है, जिसमें यमुना की सफाई और रिवरफ्रंट बनाना शामिल है।

सूत्रों के अनुसार, यमुना की सफाई और रिवरफ्रंट बनाने का यमुना मास्टर प्लान अपने अंतिम चरण में है। जल्द ही इसे मंजूरी मिलने की संभावना है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद ही रेखा गुप्ता अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ यमुना तट पर स्थित वासुदेव घाट पहुंची थीं, जहां उन्होंने यमुना आरती की थी।

भगवान महावीर के 2624 वें जन्म कल्याणक पर शाहदरा में निकली विशाल रथ यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा विधानसभा क्षेत्र में जैन समाज के प्रणेता भगवान महावीर के 2624 वें जन्म कल्याणक पर जैन समाज द्वारा जहां गाजे बाजे के साथ विशाल रथ यात्रा निकली गई वहीं इस दौरान विशाल धर्म सभा का भी आयोजन किया गया। धर्म सभा में भारी तादाद में उपस्थित जैन धर्मावलंबियों को संबोधित करते हुए एलक श्री 105 श्री विज्ञान सागर जी महाराज ने कहा कि महावीर जन्मकल्याणक मनाना तभी सार्थक है जब हम भगवान महावीर के संदेश अहिंसा, शान्ति, करुणा व प्रेम को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए शांतिपूर्ण, उन्नत एवं संतुलित समाज का निर्माण कर भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चले और उनकी वाणी को जीवन का हिस्सा बनाएं। ज्ञात रहे भगवान महावीर एक युग प्रवर्तक, कालजयी महापुरुष थें।

भगवान महावीर की रथयात्रा में जैन संत ऐलक विज्ञान सागर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शाहदरा जिलाध्यक्ष विपिन जैन, पूर्व पार्षद निर्मल जैन, समाज के प्रधान रमेश जैन, राकेश जैन, पंकज जैन, विकास जैन, नरेंद्र जैन, राजबीर जैन, एडवोकेट राजेश जैन, दमन जैन, जैन युवा मंच से मोहित जैन, पंकज गर्ग, तरुण जैन, संजय जैन सहित हजारों श्रद्धालु सम्मिलित रहे। मंच संचालन विजेंद्र जैन ने किया। रथयात्रा शाहदरा के छेटा बाजार स्थित जैन मंदिर से शुरू होकर सर्कुलर रोड, फर्श बाजार, बड़ा बाजार, बाबु राम स्कुल होती हुई शालीमार पार्क में आयोजित धर्म सभा स्थल पर पहुंची। यहां पर उपस्थित सभी लोगों द्वारा मुनि श्री द्वारा की गई ज्ञान गंगा की अमृत वर्षा का रसपान किया। उन्होंने यह भी बताया कि जैन समाज के ऐसे आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में भगवान महावीर के पंचशील सिद्धांत अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य का प्रचार-प्रसार करना रहता है। रथयात्रा में हाथी घोड़े, बैंड बाजे, स्कूली बच्चे व अहिंसा का संदेश देती झांकियों के साथ चल रहे भगवान महावीर के रथ का श्रद्धालुओं द्वारा जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया व आरती उतारी गई।

पूर्वांचल एकता मंच आयोजित करेगा दो दिवसीय विश्व भोजपुरी सम्मेलन : शिवजी सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भोजपुरी विश्व में 16 देशों में लगभग 25 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाने वाली एक अंतरराष्ट्रीय महत्व की एक अत्यंत मधुर भाषा है। भोजपुरी का साहित्य अत्यधिक समृद्ध है। भोजपुरी की पढ़ाई बहुत से विश्वविद्यालय में पढाई जा रही हैं। परन्तु दुर्भाग्य की बात है कि अब तक भोजपुरी को उसका वास्तविक अधिकार नहीं मिल सका है। जिसको संवैधानिक मान्यता दिलाने और भोजपुरी की विशिष्टता को लोगो तक पहुंचने के लिए पूर्वांचल एकता मंच (विश्व भोजपुरी सम्मेलन) का आयोजन करने जा रही है। दो दिनों तक होने वाले इस सम्मेलन में भोजपुरी से जुड़े देश विदेश के बहुत से विशिष्ट अथिति भाग लेंगे। द्वारका के दादा देव मेला ग्राउंड सेक्टर 8 में आयोजित किया जाएगा।

आयोजन के आयोजक पूर्वांचल एकता मंच के अध्यक्ष शिवजी सिंह ने बताया कि विदित हो कि भारत सरकार द्वारा गठित %सीताकान्त महापात्रा कमिटी% ने भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता हेतु अपनी संस्तुति भी दी थी। करोड़ों भोजपुरी भाषियों की निरंतर मांग के बावजूद आज तक भोजपुरी भाषा को संविधान की अष्टम अनुसूची में सम्मिलित नहीं किया गया है। केंद्र सरकार की एक हाई लेवल कमेटी ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं करने की सिफ़ारिश की है। यानी उन्हें राजभाषा का

दर्जा देने से इनकार किया है।

पिछली सरकार ने इन मांगों की जांच के लिए होम मिनिस्ट्री में अतिरिक्त सचिव बी.के. प्रसाद की अध्यक्षता में एक हाई लेवल कमेटी बनाई थी। इसमें होम मिनिस्ट्री, कल्चरल मिनिस्ट्री, एचआरडी, लॉ मिनिस्ट्री, साहित्य अकादमी, राजभाषा विभाग और केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ़ इंडिया के सीनियर अफसर शामिल थे। पिछले महीने होम मिनिस्ट्री को सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस कमेटी ने आठवीं अनुसूची में मौजूद 22 भाषाओं को शामिल करने की प्रक्रिया और मापदंडों को सही नहीं माना। कमेटी ने यह भी कहा कि इन भाषाओं को शामिल करने से हिंदी के विकास पर प्रभाव पड़ेगा।

अब भोजपुरी भाषा को संविधान की अष्टम अनुसूची में शामिल करने हेतु आर -पार की लड़ाई लड़ने का समय आ गया है इसी उद्देश्य से पूर्वांचल एकता मंच ने 12 और 13 अप्रैल, 2025 को, दिन शनिवार व रविवार को दिन में 10 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक विश्व भोजपुरी सम्मेलन कराने का निर्णय लिया है जिसमें भोजपुरी भाषा, साहित्य और संस्कृति से जुड़े देश विदेश के विद्वान, साहित्यकार, कलाकार और भोजपुरी संगीत, सिनेमा से जुड़े लोग भाग रहे हैं।

इस अवसर पर पूर्वांचल एकता मंच के राष्ट्रीय संयोजक मुकेश सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के उद्घाटन करता पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद के साथ श्री अश्विनी चौबे, श्री वीरेंद्र सिंह मस्त और कई सांसद और विशिष्ट प्रतिष्ठित गणमान्य भाग लेंगे। पहले दिन साहित्यिक गोष्ठी, कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा जिसमें दिनेश लाल यादव, मुन्ना सिंह, कल्पना पटवारी सलीके कलाकार भाग लेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम सांसद मनोज तिवारी, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और कैबिनेट मंत्री डॉ पंकज सिंह की उपस्थिति में किया जाएगा। वहीं कार्यक्रम के दूसरे दिन का उद्घाटन दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद हेमा मालनी द्वारा किया जाएगा। वहीं कार्यक्रम में पारंपरिक चैता, भोजपुरी सिनेमा का विशेष सम्मान भोजपुरी स्टार कुणाल सिंह, रवि किशन और दिनेश लाल यादव (निरहुआ) द्वारा किया जाएगा।

जर्जर पड़ी सडकों की सुध लेनी शुरू की दिल्ली की भाजपा सरकार नें : श्री दत्त शर्मा

-ठेकेदारों पर लगाम कसनी शुरू की सरकार ने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की सरकार तो सड़कों की मरम्मत कराने की योजना ही बनाती रह गई और वह योजना कागजों तक ही सीमित रही लेकिन दिल्ली की नव निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी सरकार नें अपने डेढ़ माह के शासन के भीतर ही ना केवल योजना बना शुरू कर दी है बल्कि इस ओर युद्ध स्तर पर कदम उठाने भी शुरू कर दिए है। यह कहना है घोंडा से पूर्व विधायक श्री दत्त शर्मा का। श्री दत्त शर्मा कहते है कुछ महीने जेल में बंद रहे। अरविन्द केजरीवाल जब बाहर आये थे तो उन्होंने नौटंकी की थी कि उनके जेल जाते ही सडकों की मरम्मत नहीं की गई और उन्होंने मंत्रियों के साथ कई दिनों तक जर्जर हाल सडकों का निरिक्षण भी किया था लेकिन सडकों की हालत में कोई सुधार नहीं दिखा। वहीं भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने शपथ लेते ही इस ओर तेजी से कदम उठाने शुरू कर दिए है। श्रीदत्त शर्मा कहते हैं खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा पी.डब्लू.डी.मंत्री प्रवेश वर्मा अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाएं बना रहे हैं तथा जमीन पर उतर कार्य कर रहे है। हमें उम्मीद है जल्द ही दिल्ली की अधिकांश सड़कें ठीक हालत में पहुंच जाएगी। श्री दत्त शर्मा कहते हैं इस साल राजधानी दिल्ली की 600 किलोमीटर लंबी सड़कों की सूरत बदली जाएगी. इसी कड़ी में दिल्ली सरकार द्वारा ढाई सौ किलोमीटर सड़क की मरम्मत का काम मानसून से पहले करवा दिया जाएगा. पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा जानकारी दी गई कि ऐसी जर्जर सड़कों की पहचान कर ली गई है। अब इनकी मरम्मत का काम करवाया जाएगा। श्री शर्मा कहते हैं पहले चरण के तहत 250 किलोमीटर और दूसरे चरण के तहत 250 से 300 किलोमीटर तक की सड़कों की मरम्मत करवाई जाएगी. ऐसी खराब सड़कों की पहचान की जा रही है जो खराब हालत में हैं। इसके लिए बजट आवंटन का काम शुरू हो चुका है। यदि मरम्मत के बाद दोबारा कोई सड़क टूटती है तो उसे ठीक करवाने की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की होगी। इसकी ऐवज में पीडब्ल्यूडी विभाग कोई खर्चा नहीं देगा। श्री शर्मा कहते है यह नियम बनने से ठेकेदार ईमानदारी से काम करेगें और बेहतरीन क्वालिटी की सडकें दिल्ली की जनता को मिल सकेगीं। श्री दत्त शर्मा नें बताया हर साल 200 से 250 किलोमीटर तक की सड़कों की मरम्मत होती है, लेकिन सरकार अब इसे बढ़ाकर 600 किलोमीटर की योजना पर काम कर रही है। इसी बार पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा 600 किलोमीटर की लंबाई के सड़कों को दुरुस्त करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिन जर्जर सड़कों की पहचान हो चुकी है, उनके लिए टेंडर जारी हो चुके हैं। इसी क्रम में नोएडा लिंक रोड, भैरो मार्ग के पास रिंग रोड खंड और आउटर रिंग रोड जैसे इलाकों पर काम शुरू हो चुका है। यहाँ सड़कों के गड्ढे भरे जा रहे हैं।

महापौर जवाब दें आखिर क्यों उन्होन यूजर्स सरचार्ज वसूली रोकने का निर्देश नहीं दए है : कपूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता श्री प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की आम आदमी पार्टी ने जानबूझकर दिल्ली की जनता पर कूड़ा उठाने के नाम पर यूजर्स सरचार्ज लगवाया है। एक ऐसा सरचार्ज पहले भी 2021 में तत्कालीन पूर्वी दिल्ली नगर निगम आयुक्त ने लगाने की कोशिश की थी पर उस वक्त के भाजपा के महापौर ने उस पर रोक लगा दी थी पर इसके ठीक विपरीत आज के आम आदमी पार्टी महापौर श्री महेश कुमार केवल ब्यानबाज़ी कर रहे हैं। महापौर जवाब दें आखिर क्यों उन्होने आज तक इस विषय पर रोक लगाने के लिए ना तो निगम सदन की बैठक बुलाई है और ना ही निगमायुक्त को यूजर्स सरचार्ज वसूली रोकने का निर्देश दिया है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा है की वास्तविकता यह है की दिल्ली के 75ब नागरिक अपने घरों का कूड़ा प्राइवेट सफाई कर्मियों से उठवाते हैं जो मात्र 50 से 100 रूपए प्रतिमाह में यह सेवा करते हैं जो अधिकतम 1200 रूपए प्रति वर्ष बैठता जबकि आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली नगर निगम के द्वारा प्रस्तावित यूजर्स सरचार्ज की दर कम से कम 1200 प्रति वर्ष है। श्री कपूर ने कहा है की अधिकांश ग्रुप हाऊसिंग सोसाइटीज के पास अपनी कूड़ा निस्तारण सुविधा है ऐसे में उनसे यूजर्स सरचार्ज की वसूली पूरी तरह अनुचित लगती है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट है की वर्तमान में दिल्ली नगर निगम के पास दिल्ली के 70ब क्षेत्रों में से घरों, दुकानों से कूड़ा उठाने के लिए कोई व्यवस्था नही है अत : यूजर्स सरचार्ज को सम्पति कर के साथ वसूलना पूरी तरह गैर कानूनी भी है। दिल्ली की आर.डब्लू.ए. की अंब्रेला संस्था 'ऊर्जा' भी यूजर्स सरचार्ज का विरोध कर रही है और भाजपा का मानना है की दिल्ली नगर निगम यूजर्स सरचार्ज वसूली रोक कर पहले आर.डब्लू.ए., ग्रुप हाऊसिंग सोसाइटीज एवं व्यापारिक संस्थानों के साथ बैठक करे और इस सारे प्लान पर उनका फीडबैक ले।

दिल्ली: जेपी नड्डा और सीएम रेखा गुप्ता ने आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को बांटे कार्ड, केंद्र से मिलेगी 2400 करोड़ की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में आज दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार की ओर से आयुष्मान भारत योजना के कुछ लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयुष्मान योजना के 22 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया। इस दौरान दिल्ली को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एभीम) योजना से जोड़ने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस योजना से जुड़ने के बाद दिल्ली को केंद्र सरकार की ओर से 2400 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मदद मिलेगी।

1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खुलेंगे- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पीएम-एभीम योजना के तहत हम दिल्ली में 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खुलेंगे, जिससे घर के नजदीक ही मरीजों को कई बीमारियों का उपयुक्त इलाज मिलेगा। नड्डा ने ये भी कहा कि दिल्ली के आयुष्मान भारत योजना से जुड़ने के बाद पूरे देश में सिर्फ एक राज्य पश्चिम बंगाल बचा है, जहां पर योजना लागू नहीं है। आने वाले चुनाव में पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा और वहां भी योजना लागू होगी।

10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज- नड्डा ने कहा कि इससे पहले उड़ीसा ने भी इस योजना को लागू करने से मना किया था। वहां पर भी चुनाव हुए कमल खिला और आयुष्मान भारत योजना लागू हुई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज दिल्ली के लिए बहुत बड़ा दिन है। प्रधानमंत्री मोदी के सपने को साकार करते हुए आयुष्मान भारत योजना दिल्ली में लागू हो गई है। आज हमने इसके कुछ लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया है। अब इन लोगों को हर साल 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्राइवेट और सरकारी अस्पताल में मिल सकेगा।

लाभार्थियों के चेहरे पर दिखी खुशी- आयुष्मान कार्ड वितरण के दौरान शाहदरा जिले की लाभार्थी मीनाक्षी बंसल को सबसे पहले आयुष्मान कार्ड दिया गया। इस दौरान उनके ऊपर चेहरे पर इसकी खुशी साफ देखी जा रही थी। वहीं, रोहिणी की रहने वाली अर्चना कुमारी ने बताया कि आयुष्मान कार्ड मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। मुझे फोन करके बताया गया था कि आपका आयुष्मान कार्ड बना है। आपको लेने के लिए विज्ञान भवन में आना है तो मैं यहां पहुंची हूं। बहुत अच्छा लग रहा है। इसी तरह शाहबाद डेयरी के रहने वाले संतोष कुमार को भी आयुष्मान कार्ड दिया गया। इस पर उन्होंने कहा कि मैं बिजली का काम करता हूं। मुझे फोन करके बताया गया कि आपका आयुष्मान कार्ड के लिए नाम आया है। आपको कार्ड लेने के लिए बुलाया गया है। मुझे यहां मुख्यमंत्री के हाथों कार्ड दिया गया। बहुत अच्छा लग रहा है। अब 10 लाख रूपये का फ्री इलाज कर सकेंगे। सभी का ऐसा कार्ड होना चाहिए।

एक और लाभार्थी आकाश ने बताया कि वह स्टूडेंट है उनको भी आज आयुष्मान कार्ड मिला है। बहुत खुशी हो रही है। शालीमार बाग के रहने वाले कैलाश चंद ने बताया कि उनके पास एक दिन पहले फोन आया था कि आपका आयुष्मान कार्ड बना है। आपको आयुष्मान कार्ड लेने के लिए कार्यक्रम में विज्ञान भवन जाना है। उसके बाद फिर हम आज यहां पहुंचे हैं। हमें आयुष्मान कार्ड देने के लिए बुलाया गया। बता दें कि अभी दिल्ली के 6.54 लाख गरीब परिवारों के करीब 30 लाख सदस्यों, 70 वर्ष से अधिक उम्र के करीब छह लाख बुजुर्गों, आशा वर्कर, अंत्योदय अन्न योजना, आगंनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इसका लाभ मिलेगा।

रजिस्ट्रेशन की शुरुआत आज से होगी- दिल्ली में 5 अप्रैल से आयुष्मान भारत योजना लागू हो चुकी है। लेकिन, आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत आज से होगी। इस योजना से दिल्ली के लोगों को 10 लाख रुपए का कैशलेस इलाज प्राइवेट अस्पताल में मिलना शुरू हो जाएगा।

इसमें पांच लाख केंद्र सरकार और पांच लाख दिल्ली सरकार का अनुदान होगा।

लाखों लोगों को मिलेगा इस योजना का लाभ: दिल्ली में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना लागू होने से छह लाख 54 हजार लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा। 1961 तरह की बीमारियों का इसमें इलाज हो सकेगा। साथ ही देश भर के 30 हजार से ज्यादा अस्पताल आयुष्मान भारत योजना से जोड़े गए हैं। दो लाख 35 हजार परिवारों को इस योजना में अभी शामिल किया जाएगा। दिल्ली के 6.54 लाख गरीब परिवारों के करीब 30 लाख सदस्यों, 70 वर्ष से अधिक उम्र के करीब छह लाख बुजुर्गों, आशा वर्कर, अंत्योदय अन्न योजना, आगंनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इसका लाभ मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना करना ममता को पड़ा भारी, अवमानना नोटिस जारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एसएससी (स्कूल सेवा आयोग) भर्ती घोटाले के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना करना भारी पड़ गया है। उनकी हालिया टिप्पणियों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अवमानना नोटिस जारी कर दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बर्खास्त शिक्षकों के एक वर्ग से मुलाकात की और उनका समर्थन करने की कसम खाकर आश्वासन दिया कि योग्य उम्मीदवार बेरोजगार नहीं होने दूंगी। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग भर्ती के माध्यम से की गई 25,752 स्कूल नौकरियों की नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के कुछ दिनों बाद हुआ है। ममता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रूप में अपनी नौकरी खोने वाले लोगों को कहा कि कृपया यह मत समझिए कि हमारी सरकार ने इस फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं, और ऐसा कहने के लिए मुझे जेल भी हो सकती है, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है।

भ्रष्ट और अंग्रेजों की भूली-बिसरी औलाद कांग्रेस : कंगना रनौत

सुंदरनगर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कंगना रनौत ने कांग्रेस पर हमला कर भ्रष्ट और अंग्रेजों की भूली-बिसरी औलाद बताया। सुंदरनगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आईं अभिनेत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश भ्रष्टाचार के लिए जाना जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने साहसिक निर्णयों और बेदाग ईमानदारी से उस धारणा को पूरी दुनिया में बदल दिया। कंगना ने कांग्रेस पर झूठे वादे करने आरोप लगाकर कहा कि मंडी से पूर्व कांग्रेस सांसद प्रतिभा सिंह ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से निर्वाचन क्षेत्र को कोई राशि आवंटित नहीं की। रनौत ने दावा किया कि उन्होंने बीते आठ महीनों में रामपुर से भरमौर तक मंडी के सभी इलाकों में पांच करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

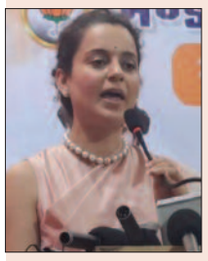

नवरात्रि पर हिमाचल में 18.85 लाख तीर्थयात्रियों ने किए शक्तिपीठों के दर्शन

बिलासपुर (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न हुए नवरात्रि उत्सव के दौरान हिमाचल प्रदेश में 18.85 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने शक्तिपीठों के दर्शन किए। आंकड़ों के मुताबिक सबसे ज्यादा 7.82 लाख भक्तों ने कांगड़ा जिले के ज्वाला मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद सिरमौर में माता बाला सुंदरी मंदिर में 3.42 लाख, बिलासपुर में नैना देवी मंदिर में 3.20 लाख, कांगड़ा में बगलामुखी मंदिर में 1.30 लाख, ऊना में चिंतपूर्णी मंदिर में 1.23 लाख, बृजेश्वरी देवी मंदिर में 96,850 और चामुंडा देवी मंदिर में 89 हजार भक्तों ने दर्शन किए। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि यातायात आंकड़ों से पता चला है कि इस अवधि में 15,481 भारी मोटर वाहन, 66,996 हल्के मोटर वाहन और 55,718 दोपहिया वाहनों ने इन शहरों में प्रवेश किया।

दो अलग-अलग घटनाओं में आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत

फिरोजाबाद (एजेंसी)। फिरोजाबाद जनपद में दो अलग-अलग स्थानों पर गुरुवार तड़के आए तूफान में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में अपर जिलाधिकारी ने बताया कि पहली घटना तहसील सदर क्षेत्र नारखी थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में हुई जिसमें खेत पर काम कर रही महिला ललिता देवी (30) पर आकाशीय बिजली गिरने से झुलस गई। झुलसी अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला आठ माह की गर्भवती थी। दूसरी घटना थाना जसराना क्षेत्र के गांव चनारी में घटी जिसमें खेत पर काम कर रहे किसान पदम वीर सिंह (32) की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। दोनों स्थानों पर तहसील की टीम भेजी गई है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि शासन को दैवीय आपदा राहत कोष से राहत राशि देने के लिए अवगत करा दिया गया है।

अपना शरबत बेचने के लिए क्या क्या कह गए बाबा रामदेव

नई दिल्ली (एजेंसी)। योगगुरु बाबा रामदेव योग सिखाते-सिखाते कारोबारी भी बन गए हैं। उन्होंने अपना शरबत बेचने के लिए दूसरे शरबतों को न केवल टॉयलेट क्लीनर बताया बल्कि यहां तक कह दिया कि ये लोग इन पैसों से मदरसों-मस्जिदों के निर्माण करते हैं। रामदेव ने आगे दावा किया कि जाहिर तौर पर अगर आप उस कंपनी का शरबत पीते हैं तो यह मस्जिद और मदरसों के लिए धन जुटाने में मदद मिलती है। उन्होंने दावा किया कि अगर आप पतंजलि के शरबत का चयन करते हैं तो इससे गुरुकुलों, आचार्यकुलों, पतंजलि विश्वविद्यालयों और भारतीय शिक्षा बोर्ड को मदद मिलती है। पतंजलि प्रोडक्ट्स नामक हैंडल से फेसबुक पर पोस्ट किए गए इस वीडियो के कैप्शन में हिंदी में लिखा हुआ है कि शरबत जिहाद के नाम पर बेचे जा रहे टॉयलेट क्लीनर और कोल्ड ड्रिंक के जहर से अपने परिवार और मासूम बच्चों को बचाएं। घर में केवल पतंजलि का शरबत और जूस ही लाएं। इस वीडियो में बाबा रामदेव सॉफ्ट ड्रिंक की आलोचना करते हुए नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि ये टॉयलेट क्लीनर की तरह हैं, जिसे गर्मी में प्यास बुझाने के नाम पर पिया जाता है।

'तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण नए भारत का संकल्प', बीजेपी बोली- चाहे आप दुनिया के किसी कोने में...

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह सभी सुरक्षा, आतंकवाद निरोधक, अभियोजन और खुफिया एजेंसियों के लिए एक बड़ी जीत है। पूनावाला ने आगे कहा कि प्रत्यर्पण इस बात का संकल्प है कि भारत आतंकी हमलों पर चुप नहीं रहेगा बल्कि कड़ा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण, न केवल 138 भारतीय पीड़ितों के लिए बल्कि कई अन्य देशों के पीड़ितों के लिए भी न्याय और समाधान सुनिश्चित करने और उसके करीब पहुंचने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है।

शहजाद पूनावाला ने दावा किया कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण कोई आम प्रत्यर्पण नहीं है, ये नए भारत के संकल्प का प्रतिबिंब है। जिसे 2019 में पीएम नरेन्द्र मोदी जी ने परिभाषित करते हुए कहा था? कि अगर कोई भारत की अखंडता, एकता, सुरक्षा, अस्मिता या किसी भी निर्दोष भारतवासी पर हमला करने की जुर्रत करेगा, तो भारत ऐसे आतंकी को पाताल से भी खोज कर न्याय के पथ पर लाने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि आज तहव्वुर राणा जब भारत लाया जा रहा, तो ये एक चेतावनी भी है... हर एक उस आतंकी के लिए, आतंकी साजिशकर्ता के लिए कि

चाहे आप दुनिया के किसी कोने में छिप कर क्यों न बैठे हो, भारत आपको चुन चुन कर ढूंढेगा और न्याय के पथ पर लाएगा।

भाजपा नेता ने कहा कि घरेलू आतंकवाद के कई मामलों में हमारी एजेंसियों ने अपराधियों को सजा दिलाने में सफलता प्राप्त की है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि हमने नए कानूनों के माध्यम से इन एजेंसियों को सशक्त बनाया है और उन्हें काम करने की पूरी छूट दी है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में शामिल लोगों को दंडित करने के लिए ÷कुछ नहीं करने÷ के लिए कांग्रेस की आलोचना की, जिसमें 166 से अधिक लोगों की जान चली गई।

एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, गोयल ने तत्कालीन सरकार पर 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य आरोपियों में से एक अजमल कसाब को केवल ÷बिरयानी परोसने÷ का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने हमलावरों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें भारतीय धरती पर न्याय का सामना कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में आतंकवादियों ने उसी होटल पर हमला किया था, जिसमें हम खड़े हैं। यहां लोग मारे गए। लेकिन कांग्रेस ने इसमें शामिल लोगों को सजा दिलाने के लिए कुछ नहीं किया। कसाब जो पकड़ा गया था, उसे भी बिरयानी खिलाई गई। हमारे देश पर हमला करने वालों को न्याय के कटघरे में खड़ा करना और उन्हें सजा दिलाना ही पीएम मोदी का संकल्प है। हर भारतीय नागरिक को पीएम मोदी पर गर्व है कि इस देश में शामिल लोगों को सजा मिलेगी।

बड़ा सवाल : बाबा की दीवानगी या कुछ गड़बड़... चंद मिनटों में हो गई बुकिंग

देहरादून। चारधाम यात्रा के दौरान संचालित होने वाली केदारनाथ हेली सेवा के लिए देश के सभी राज्यों से यात्रियों ने ऑनलाइन टिकटों की बुकिंग कराई है। वेबसाइट खुलने के कुछ घंटों में मई माह की पूरी टिकट फुल हो गए। चंद मिनटों की यह प्रक्रिया 2022 जैसे किसी कंफर्म रेलवे टिकट स्कैम की याद भी दिला रही है। उस वक्त सोशल मीडिया पर मौजूद कई विदेशी सॉफ्टवेयर से दलालों ने कंफर्म टिकट का कालाधंधा चलाया था। कई दलाल गिरफ्तार हुए और हजारों आईडी बंद कराई गई। हालांकि, उत्तराखंड सरकार ने बुकिंग के लिए इस्तेमाल हुए आईपी एड्रेस का ब्योरा तलब किया है। इससे ही साफ हो पाएगा कि यह आखिर क्या मामला था?

श्री केदारनाथ धाम के लिए चंद मिनटों में ही सात हजार से अधिक टिकट बुक हो गए और फिर विंडो बंद हो गई। ये बाबा केदार के प्रति लोगों की दीवानगी है या फिर एजेंटों का कोई खेल। जी हां, ये टिकट व्यक्तिगत रूप से लोगों ने बुक कराए या फिर एजेंटों ने कुछ गड़बड़ की, ये जांच का विषय है। लेकिन, आईआरसीटीसी के माध्यम से ऐसा एक नहीं, बल्कि कई बार हो चुका है। अभी तीन साल पहले ही आईआरसीटीसी की वेबसाइट को कई एजेंटों के इसी सिंडीकेट ने गच्चा दिया और करोड़ों रुपये की चपत लगाकर लोगों को ऊंचे दामों में रेलवे के कंफर्म टिकट बेचे। ऐसे में हेली सेवा टिकट बुकिंग में भी ऐसा खेल हुआ होगा यह कहना फिलहाल गलत नहीं है।

दरअसल, पिछले साल से श्री केदारनाथ धाम हेली सेवा के लिए टिकट बुकिंग की जिम्मेदारी आईआरसीटीसी को दी गई थी। इसके अलावा और कोई विंडो या प्लेटफार्म नहीं है। इस बार भी मंगलवार को सुबह 12 बजे आईआरसीटीसी ने अपनी वेबसाइट पर टिकट विंडो खोली। लोगों ने टिकट बुकिंग शुरू की केवल 40 मिनट बाद ही मई माह के स्लॉट फुल हो गए। इस पर कई लोग सवाल भी उठा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि टिकट बुकिंग करने के लिए केवल नाम और फोन नंबर दर्ज किया जाता है। इसके लिए एक विस्तृत फॉर्म भरा जाता है।

वोट बैंक की राजनीति के खातिर बंगाल में वक्फ कानून को लागू नहीं करना चाहती ममता : सरावगी

पटना (एजेंसी)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वक्फ संशोधन कानून को लागू नहीं करने के ऐलान पर बिहार सरकार में राजस्व मंत्री संजय सरावगी ने सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा कि ममता वोट बैंक की राजनीति करने में लगी हुई हैं। नीतिश सरकार में राजस्व मंत्री सरावगी ने कहा, जब संसद से कोई कानून पारित होता है, तब वहां कानून पूरे देश में लागू होता है। मैं उनसे (ममता बनर्जी) पूछना चाहता हूं कि वे वक्फ कानून को बंगाल में क्यों नहीं लागू करना चाहती हैं। ये कानून मुसलमानों के हित का है और इसमें भी ये विशेषकर पसमांदा मुसलमानों के हित में हैं। मगर, ममता वोट बैंक की राजनीति कर रही हैं और पश्चिम बंगाल के लोग इस बात को समझ रहे हैं। इस बार उन्हें समझ में आ जाएगा।

उन्होंने कहा, विरोधी दलों ने तीन तलाक का भी विरोध किया और इतना ही नहीं सीएए के बारे में भ्रम फैलाया गया कि सभी मुसलमानों को देश से भगा दिया जाएगा। मगर, प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा था कि एक भी मुसलमान देश से बाहर नहीं जाएगा, ये लोगों को भ्रमित करने का काम करते हैं। भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वक्फ भारत के पार्लियामेंट से पास कानून है। ममता अगर इस फैसले को नहीं मानती हैं, तब देश के कानून में इतने उपाय हैं कि उन्हें ठीक कर दिया जाएगा।

वहीं बिहार सरकार में मंत्री मंगल पांडे ने कहा, ममता हमेशा ही उन लोगों का समर्थन करती हैं, जो इस राष्ट्र के विकास के बाधक रहे हैं। वक्फ कानून में राष्ट्र का विकास निहित है और इसमें पसमांदा, गरीब और अल्पसंख्यकों के विकास की बात कही गई है। मगर, ममता बनर्जी को कभी भी इस राष्ट्र के विकास की चिंता नहीं है बल्कि, उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है।

अगर बैंकों में मराठी का इस्तेमाल नहीं हुआ तो...राज ठाकरे ने आईबीए को लिखी चिट्ठी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शीर्ष बैंक निकाय से कहा है कि वह बैंकों को निर्देश दे कि वे अपनी सेवाओं में आरबीआई के मानदंडों के अनुसार मराठी का उपयोग करें, अन्यथा उनकी पार्टी अपना आंदोलन तेज करेगी। मनसे नेताओं द्वारा बुधवार को भारतीय बैंक संघ को सौंपे गए पत्र में ठाकरे ने यह भी कहा कि यदि बैंक अपनी सेवाओं में तीन-भाषा फार्मूले अंग्रेजी, हिंदी और स्थानीय भाषा (महाराष्ट्र के मामले में मराठी) का पालन नहीं करते हैं, तो कानून और व्यवस्था के लिए बैंक स्वयं जिम्मेदार होंगे। ठाकरे ने आईबीए को लिखे पत्र में कहा, 'आप बैंकों को मराठी भाषा का उपयोग करने के लिए आवश्यक निर्देश दें, अन्यथा मनसे अपना आंदोलन तेज कर देगी और उसके बाद कानून एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी

संबंधित बैंकों की होगी।

पत्र में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने सार्वजनिक क्षेत्र और निजी बैंकों में क्षेत्रीय भाषाओं के इस्तेमाल को लेकर एक परिपत्र जारी किया है। इसके अनुसार, बैंकों में बोर्ड तीन भाषाओं में होने चाहिए। हिंदी, अंग्रेजी और उस राज्य की क्षेत्रीय भाषा। पत्र में कहा गया है कि यहां तक कि सेवाएं भी तीन भाषाओं में होनी चाहिए। यह कदम तब उठाया गया है जब ठाकरे ने शनिवार को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से बैंकों और अन्य प्रतिष्ठानों में मराठी के इस्तेमाल को लागू करने के लिए आंदोलन को फिलहाल रोकने के लिए कहा क्योंकि हमने इस मुद्दे पर पर्याप्त जागरूकता पैदा कर दी है।

आंदोलन के बाद, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर कहा कि मनसे कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले लोग बैंक शाखाओं में जा रहे हैं और कर्मचारियों को धमका रहे हैं। 30 मार्च को गुड़ी पड़वा की रैली में ठाकरे ने आधिकारिक उद्देश्यों के लिए मराठी को अनिवार्य बनाने के अपने पार्टी के रुख को दोहराया।

1 करोड़ हस्ताक्षरों के साथ वक्फ कानून प्रस्ताव, जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वक्फ कानून के खिलाफ एक करोड़ लोगों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव भेजने की कसम खाई है। कोलकाता के रामलीला मैदान में एक विशाल सभा में जमीयत के बंगाल चैप्टर ने अपने प्रमुख और मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री से इस कानून को तुरंत निरस्त करने का आग्रह किया। जमीयत ने वक्फ कानून के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए क्राउडफंडिंग अभियान की भी घोषणा की। सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते कई याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। कानून के खिलाफ हस्ताक्षर स्वयंसेवक बंगाल के विभिन्न जिलों में जाकर एकत्र करेंगे। चौधरी ने कहा कि इस तरह के सामूहिक आंदोलन के कारण पहले भी सरकारों ने कानून वापस लिए हैं।

हमारा लक्ष्य विभिन्न जिलों और कस्बों से ये हस्ताक्षर प्राप्त करना और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी को भेजना है। चौधरी ने सभा को बताया कि पहले भी कानून वापस लिए गए हैं और इस कानून को निरस्त करवाने के लिए हम 1 करोड़ हस्ताक्षर प्राप्त करेंगे। वक्फ कानून, जिसे पिछले सप्ताह संसद द्वारा आधी रात के बाद तक चली बैठकों में पारित किया गया था, वक्फ संपत्तियों को विनियमित करने और उनसे संबंधित विवादों का निपटारा करने में सरकारी निगरानी का विस्तार करता है। जमीयत ज्ञापन में कहा गया है कि वक्फ कानून संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 26 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इसमें कहा गया है कि यह कानून वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को कमजोर करता है और नौकरशाहों को अत्यधिक अधिकार देकर अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता है। ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र का इरादा वक्फ प्रशासन पर नियंत्रण करना और मुस्लिम समुदाय को अपने धार्मिक बंदोबस्त के प्रबंधन से अलग करना है। मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग द्वारा विरोध किए जाने वाले प्रावधानों में से एक केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को अनिवार्य रूप से शामिल करना है। कानून का एक और विवादास्पद प्रावधान यह है कि यह राज्य के अधिकारी को यह निर्धारित करने का अधिकार देता है कि विवादित संपत्ति वक्फ है या सरकार की है।

तपती गर्मी पर बादलों ने लगाए ब्रेक: दिल्ली, उप्र और बिहार समेत कई राज्यों में राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी से राहत मिल रही है। यहां बारिश और बादल के चलते राहत मिली है। यूं कह सकते है कि गर्मी और तपन पर बादलों ने ब्रेक लगा दिए हैं।

बिहार के ज्यादातर जिलों में बुधवार शाम से ही अच्छी बारिश हो रही है और तेज हवाएं चली हैं। इससे मौसम में नरमी आई है। इसके अलावा यूपी के गोरखपुर, लखनऊ और कानपुर जैसे शहरों में भी हल्की बारिश से राहत मिली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस बदलाव के चलते कम से कम 15 तारीख तक गर्मी थोड़ी कम रहेगी। इसके बाद ही तापमान में फिर से इजाफा होना शुरू होगा।

मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव दिख रहा है। इसी के कारण बारिश और आंधी का मौसम बना हुआ है।

विभाग का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर के अलावा पूरे पश्चिम उत्तर भारत यानी यूपी, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार तक खुशनुमा मौसम रहेगा और हल्की बारिश होती रहेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज यानी गुरुवार से ही हीट वेव में तेजी से कमी आएगी, जिसने बीते कई दिनों से लोगों को तपा रखा था। यही नहीं मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में भी थोड़ी राहत 10 अप्रैल के बाद से मिलेगी। पूर्वी भारत यानी बंगाल और ओडिशा आदि राज्यों में भी गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना है। वहीं पूर्वोत्तर भारत में अच्छी बारिश हो सकती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस सप्ताह के अंत तक हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड जैसे राज्यों में बारिश होगी। इसके अलावा हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक होगी। इससे यूपी, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर जैसे इलाकों में भी तापमान कम होगा और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। कुछ मैदानी इलाकों में भी हल्की बारिश की संभावना है। वहीं पश्चिमी राजस्थान में इस वीकेंड में रेतीला तूफान भी उठ सकता है। उत्तराखंड में भी तेज हवाओं के साथ मौसम बदलेगा तो इसका असर मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली तक दिख सकता है।

चुराचांदपुर जिले में 17 अप्रैल तक रहेगा कर्फ्यू: झंडा फहराने को लेकर जोमी और हमार जनजातियों में हुआ टकराव

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मंगलवार को दो जनजातियों के बीच झंडा फहराने को लेकर हुए उग्र विवाद के बाद हालात इतने बिगड़े कि प्रशासन को 17 अप्रैल तक के लिए कर्फ्यू लागू करना पड़ गया। यह टकराव जोमी और हमार जनजातियों के बीच हुआ, जहां दोनों पक्षों ने विवादित स्थल पर अपने-अपने समुदाय के झंडे लगाने की कोशिश की। यह जगह वी मुनहोइह और रेंगकाई गांवों के बीच स्थित है, जिसे दोनों समुदाय अपनी-अपनी जमीन बताते हैं।

प्रशासन ने बिगड़े हालात को देखते हुए जिले के वी मुनहोइह, रेंगकाई, कांगवाई, समुलामलान और संगाइकोट इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। हालांकि, आम जनजीवन को ध्यान में रखते हुए सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई है। इस मामले को लेकर बुधवार को जिले के कलेक्टर ने दोनों गांवों के लोगों के साथ बैठक की थी, जिसमें दोनों समुदायों ने स्पष्ट किया था कि यह विवाद जातीय नहीं बल्कि भूमि स्वामित्व से जुड़ा है। बैठक में प्रशासन और नेताओं ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। यहां बताते चलें कि यह पहली बार नहीं है जबकि विवाद के चलते हिंसा भड़की हो। 18 मार्च को भी इसी स्थान पर झंडा हटाने को लेकर हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें हमार समुदाय के रोपुई पाकुमटे की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद बता चुके हैं कि दिसंबर 2023 से मार्च 2024 तक मणिपुर में कोई नई हिंसा नहीं हुई। ऐसे में स्थानीय नेता बता रहे हैं कि हालात इस कदर बदतर हैं कि प्रशासन को कर्फ्यू लगाना पड़ा है। चुराचांदपुर में हालिया घटनाएं बताती हैं कि तनाव अब भी पूरी तरह शांत नहीं हुआ है।

कन्हैया कुमार की बिहार में बढ़ती सक्रियता, लालू और तेजस्वी का बीपी बढ़ा रही

-तेजस्वी के मुद्दों को भुनाने में जुटे कन्हैया

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी-अपनी गोटी बिठाने में जुटे हैं। इसी कड़ी में बिहार में पलायन और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनने में कांग्रेस जुटी हुई है। हालांकि पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे पर महागठबंधन में दो दल यानी कि कांग्रेस और राजद में खटपट चल रही हैं। दोनों ही दलों की ओर से मुद्दे को उठाया जा रहा है। लेकिन इसके जरिए एक ओर जहां तेजस्वी यादव है। वहीं दूसरी ओर कन्हैया कुमार हैं। राजनैतिक जानकारों के द्वारा दावा किया जा रहा है तेजस्वी के एजेंडे को कन्हैया ने पूरी तरीके से लपक लिया है।

तेजस्वी लगातार बेरोजगारी, पलायन और शिक्षा को मुद्दा बना रहे हैं। वहीं अब इन्हीं मुद्दों के सहारे कन्हैया भी बिहार में कांग्रेस की राजनीति को धार देने की कोशिश में लगे हुए हैं। कांग्रेस नेता कन्हैया पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा निकल रहे हैं। इसके जरिए बेरोजगारी और पलायन को बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। लेकिन यह कहीं ना कहीं राजद के लिए परेशानी खड़ कर रहा है। दावा हैं कि कन्हैया की पदयात्रा तेजस्वी के लिए परेशानी की सबब बन सकती है। यह दोनों नेता एक ही गठबंधन के हिस्सा हैं, लेकिन एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि युवाओं के वोटो को अपनी और कौन खींचने में ज्यादा कामयाब रहता है। राजद प्रमुख और पूर्व सीएम लालू यादव की वीटो के बावजूद भी कन्हैया को कांग्रेस आलाकमान का सहयोग मिल रहा है। इसकारण कन्हैया की यात्रा में खुद राहुल गांधी शामिल हुए। इसके बाद सवाल उठा रहा हैं कि क्या तेजस्वी के चुनावी मुद्दे को अब कांग्रेसी छीनना चाहती है। पिछले 5-7 सालों में तेजस्वी लगातार रोजगार की बात कर रहे हैं। उन्होंने पिछले चुनाव में 10 लाख नौकरी देने का भी वादा किया था। इस बार भी वह कुछ इसी तरीके का वादा कर रहे हैं।

लेकिन कन्हैया भी इसमें पीछे नहीं है। वह युवाओं से सक्षम बनने की बात कर रहे हैं। रोजगारी की बात कर रहे हैं। लगातार आरक्षण का भी मुद्दा उठा रहे हैं। पलायन को रोकने का भी दावा कर रहे हैं। यह बात किसी से भी छिपी नहीं है कि लालू कभी भी खुलकर नहीं चाहते कि कन्हैया कुमार बिहार की राजनीति में आए। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी जब कन्हैया सीपीआई की टिकट पर चुनावी मैदान में थे और राजद का समर्थन उन्हें नहीं मिल सका था। 2024 के चुनाव में भी यही हुआ। कांग्रेस चाहती थी कि कन्हैया बिहार से चुनाव लड़े। लेकिन फिर से लालू ने वीटो लगा लिया। इसके बाद कन्हैया कुमार को दिल्ली से चुनावी मैदान में उतारा गया था।

दरअसल लालू और राजद को लगता है कि कन्हैया कहीं तेजस्वी के प्रतिस्पर्धी साबित न हो जाए। कन्हैया कुमार जेएनयू से पढ़े लिखे जबकि तेजस्वी की शिक्षा को लेकर लगातार सवाल उठाते रहे हैं। कन्हैया कुमार शानदार वक्ता हैं, लोगों को तर्क पूर्ण बातों से अपनी ओर खींचते हैं। जबकि दूसरी ओर तेजस्वी इस मामले में पिछड़ते हुए दिखाई देते हैं।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

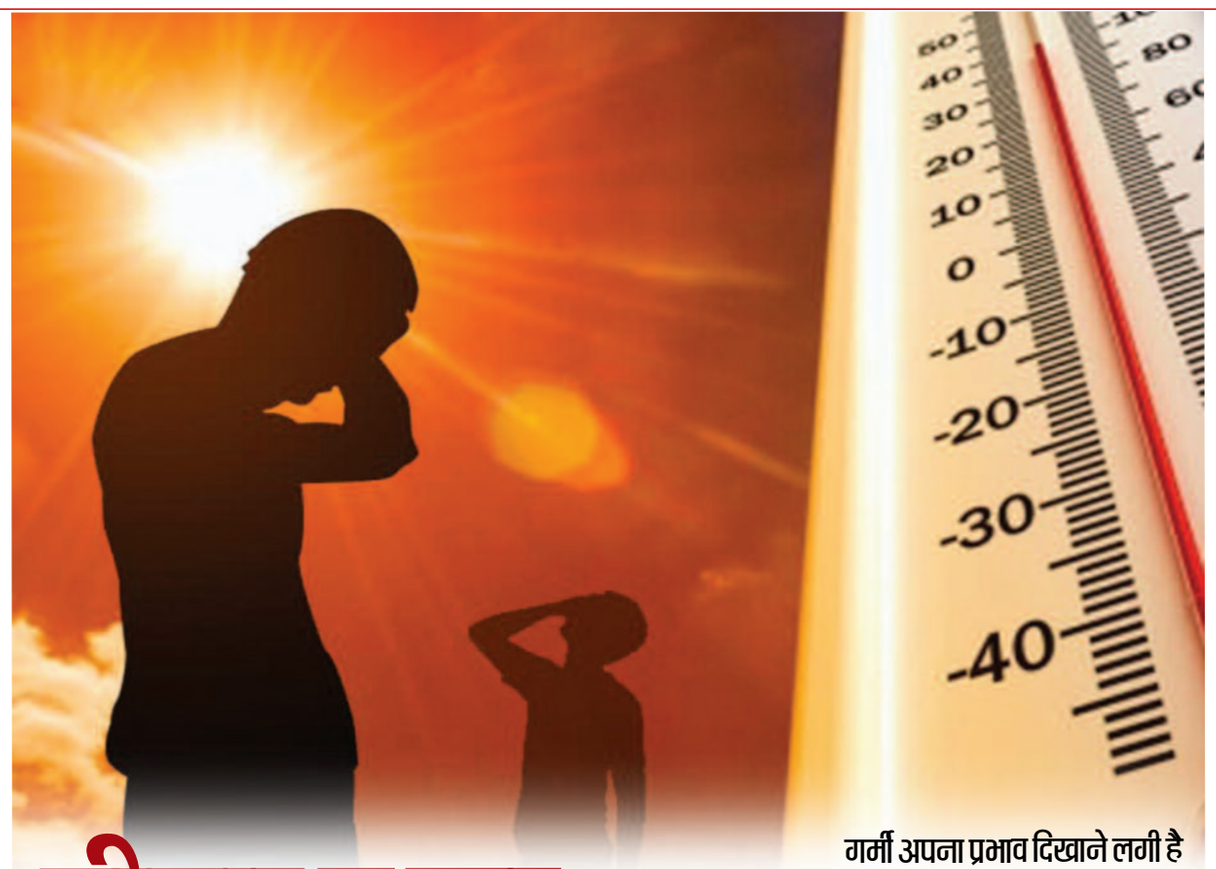

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डियो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

स्टार किड्स को भी नहीं मिलते मौके अगर वो...

मोहित मलिक पिछले 30 सालों से टीवी की दुनिया में एक्टिव हैं। वह कुल्फी कुमार बाजेवाला और साइबर वार जैसे टीवी शो में नजर आ चुके हैं। हाल ही में मोहित मलिक आजाद फिल्म में नजर आए। फिल्म में उन्होंने तेज बहादुर का किरदार निभाया है। हाल ही में स्क्रीन के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि अपनी कला के प्रति अविश्वास की वजह से वह फिल्मों से दूर रहे। इसी वजह से उन्हें लंबा इंतिजार करना पड़ा।

मोहित मलिक ने बताया साल 2016 में मेरे अंदर इतना आत्मविश्वास नहीं था कि मैं फिल्मों में काम करूं। मुझे अपनी कला पर भरोसा नहीं था। आत्मविश्वास आने के बाद मैंने 2017-18 में फिल्मों में हाथ आजमाया। टीवी सीरियल में काम करने के दौरान मैं अक्सर टाइम निकाल कर फिल्मों के ऑडिशन के लिए जाया करता था। अभिषेक कपूर को मेरा ऑडिशन अच्छा लगा और उन्होंने मुझे फोन किया। मैंने दूसरा टेस्ट दिया और मैं इसमें पास हो गया।

नई इंडस्ट्री में काम करने में होती है दिक्कत

मलिक ने आगे बताया कि एक अलग इंडस्ट्री में इतने लंबे वक्त तक काम करने के बाद, एक दूसरे नए उद्योग में एकदम से शुरुआत करने के बाद, आप अहंकार से भी जूझते हैं। लेकिन जुनून अहंकार को हरा देता है। मैं आज भी लोगों के पास जाता हूं और उनसे काम मांगता हूं। लोगों ने आजाद में मेरे काम को पसंद किया। मोहित से पूछा गया कि स्टार किड को अदाकारी का कोई तजुर्बा नहीं होता है। ऐसे में उन्हें काम मिल जाता है, इस पर उनका क्या कहना है? इस पर एक्टर ने जवाब दिया एक वक्त के बाद उन्हें भी मौके मिलने बंद हो जाते हैं।

स्टार किड्स को भी करनी पड़ती है मेहनत

मलिक ने बताया अगर मैं भी किसी फिल्मी परिवार में पैदा होता, तो मुझे भी कोई गॉडफादर मिलता और मुझे कई अवसर मिलते। हालांकि, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने काम में कितनी मेहनत कर रहे हैं। अगर आप अपने काम को निखारने के लिए मेहनत नहीं कर रहे हैं, तो आप अपने सभी मौकों को बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए स्टार किड्स को भी बने रहने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। उन्हें कई मौके मिल सकते हैं, लेकिन अगर उनके काम में सुधार नहीं होगा, तो काम नहीं मिलेगा।

जब 12 ऑडिशन के बाद अनुप्रिया गोयनका के हाथ से फिसली सलमान की फिल्म?

अनुप्रिया गोयनका बॉलीवुड और ओटीटी की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने टाइगर जिंदा है, पद्मावत और वॉर जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया है। ओटीटी पर भी सेक्रेड गेम्स, अभय और क्रिमिनल जस्टिस में उन्होंने अदाकारी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। लेकिन क्या आपको पता है कि सलमान खान की एक फिल्म उनके हाथ से निकल गई थी? दरअसल, फिल्म सुल्तान के लिए अनुप्रिया ने कई ऑडिशन दिए थे, लेकिन अंत में यह रोल अनुष्का शर्मा के पास चला गया था।

हाल ही में बातचीत में अनुप्रिया ने इस अनुभव को साझा किया। अनुप्रिया ने कहा कि सुल्तान के लिए उनका सफर आसान नहीं था। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, मैंने मुख्य किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। उस वक्त यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) नए चेहरों की तलाश में था।

एक महीने तक चली प्रक्रिया

अनुप्रिया ने आगे कहा, मेरे 11-12 टेस्ट हुए। पहले एक ऑडिशन, फिर दूसरा, फिर म्यूजिक वीडियो टेस्ट, वैभवी मर्चेंट के साथ डांस टेस्ट और आखिर में डायरेक्टर अली अब्बास जफर के साथ रीडिंग्स। उन्होंने आगे कहा, शुरुआत में मुझे पता ही नहीं था कि यह सुल्तान के लिए है। वाईआरएफ में असली स्क्रिप्ट नहीं देते। वे दूसरी स्क्रिप्ट पर ऑडिशन लेते हैं। जब मैं अली से मिली और उन्होंने मिस्टर खान का जिक्र किया तब मुझे समझ आया कि यह सलमान की फिल्म है। अनुप्रिया को उम्मीद थी कि शायद उन्हें मौका मिल जाए। लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनका दिल टूट गया। अभिनेत्री ने कहा, यह मेरे लिए बहुत दुखद था। अनुप्रिया ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, एक तो मैं सांवली हूं और मुझे इस पर गर्व है, लेकिन मैं टिपिकल वाईआरएफ हीरोइन नहीं हूं। मेरी टांगें परफेक्ट शेप की नहीं हैं।

सुल्तान रही थी ब्लॉकबस्टर

सुल्तान की बात करें तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। अनुष्का शर्मा ने इसमें पहलवान का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी थीं। अनुप्रिया भले ही यह फिल्म न कर पाई, लेकिन उनकी मेहनत और जज्बा आज भी उनकी दूसरी परियोजनाओं में नजर आता है।

एक जादूगर बन जादू दिखाएंगे विक्की कौशल!

विक्की कौशल इन दिनों अपनी हालिया फिल्म छावा की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब कथित तौर पर विक्की कौशल अपनी एक और नई फिल्म के साथ एक और धमाका करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें विक्की कौशल जादूगर की ड्रेस पहने नजर आए। पैपराजी पेज और यूजर द्वारा यह विक्की की नई फिल्म बताई जा रही है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टर में बताया गया है कि फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार कर रहे हैं और यह राइजिंग सन प्रोडक्शन है। हालांकि, विक्की ने अपने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म का पोस्टर साझा नहीं किया है। पोस्टर में विक्की को हरे रंग की ड्रेस में देखा गया, जो जादूगर की भूमिका में उनके किरदार की ओर इशारा करता है। हालांकि, अब इस फिल्म पर मेकर्स और विक्की की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है।

मेरा किरदार सिर्फ उसके रूप तक सीमित नहीं है

शेमारू उमंग पर प्रसारित जमुनीया शो अपने प्रसारण के बाद से ही दर्शकों का दिल छू रहा है और समाज में खूबसूरती, स्वीकृति और आंतरिक शक्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ रहा है। यह कहानी जमुनीया नाम की एक लड़की की है, जो अपने सांवले रंग के कारण समाज की आलोचना का शिकार होती है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ सुंदरता को अक्सर गोरेपन से जोड़ा जाता है, उसके लिए हर दिन एक नई चुनौती होता है। लेकिन, जमुनीया हार मानने वालों में से नहीं है, वह अपने आत्मविश्वास और साहस से इन भेदभावों का डटकर सामना करती है। शो के नाम और इसके गहरे अर्थ के बारे में बात करते हुए मुख्य अभिनेत्री आलेया घोष कहती हैं, जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है। जैसे जामुन सेहत के लिए लाभकारी होता है, वैसे ही मेरा किरदार जमुनीया सिर्फ अपनी बाहरी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। वह निडर है और हमेशा सच के लिए खड़ी होती है। मौजूदा कहानी में, उसने खुद को बखूबी साबित किया है और वह जानती है कि अपने हक के लिए कैसे लड़ना है। वह किसी को भी खुद पर अन्याय नहीं करने देगी और अपने पति की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी, भले ही उसका पति और परिवार उसे उसके रूप के कारण स्वीकार न करें। लोग अक्सर रूप-रंग के आधार पर निर्णय लेते हैं, लेकिन असली सुंदरता साहस, विनम्रता और आत्मबल में होती है। अब समय आ गया है कि हम त्वचा के रंग से आगे बढ़ें और अपने अंदर के हीरो को पहचानें। जमुनीया का दुनिया का नज़रिया बदलने को लेकर उसकी संघर्ष से भरी यात्रा के ज़रिए, यह शो एक सशक्त संदेश देता है। सौंदर्य सिर्फ चेहरे की सुंदरता में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संकल्प और सच्चे दिल में होता है।

पहली फिल्म से मिला नेशनल क्रश का टैग, बॉलीवुड में भी चला श्रीवल्ली का जादू

भारतीय सिनेमा की चमकती सितारा रश्मिका मंदाना अपना जन्मदिन मना रही हैं। कर्नाटक के एक छोटे से शहर विराजपेट से निकलकर साउथ सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाली रश्मिका आज न सिर्फ दक्षिण भारत की सुपरस्टार हैं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी धमाकेदार मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। उनके जन्मदिन के मौके पर आइए एक नजर डालते हैं उनके करियर के उस शानदार सफर पर, जहां साउथ से बॉलीवुड तक पहुंचते हुए उन्होंने छोटे-छोटे रोल्स को भी अपनी अदाकारी से बड़ा बना दिया और बड़े सितारों के साथ काम करते हुए देशभर में लोकप्रियता हासिल की।

रश्मिका ने अपने करियर की शुरुआत 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से की थी। यह फिल्म न सिर्फ उनकी डेब्यू फिल्म थी, बल्कि उनकी जिंदगी का एक अहम मोड़ भी बनी। इस फिल्म में उनके को-स्टार रक्षित शेट्टी के साथ उनकी ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन केमिस्ट्री ने सबका ध्यान खींचा। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों करीब आए और 3 जुलाई 2017 को रश्मिका के गृहनगर विराजपेट में एक निजी समारोह में दोनों ने सगाई कर ली। सितंबर 2018 में दोनों ने आपसी सहमति से सगाई तोड़ दी। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि रश्मिका का करियर पर फोकस करना भी इस टूटन की वजह बना। किरिक पार्टी की सफलता के बाद रश्मिका ने तेलुगु सिनेमा में कदम रखा। गीता गोविंदम (2018) में विजय देवरकोंडा के साथ उनकी जोड़ी हिट रही, जिसके बाद से ही दोनों के रिश्ते की अफवाहें शुरू हुईं, लेकिन असली धमाका तब हुआ, जब 2021 में पुष्पा- द राइज रिलीज हुई। अल्लू अर्जुन के साथ श्रीवल्ली का किरदार निभाकर रश्मिका ने पूरे देश का दिल जीत लिया। हाल ही में रिलीज हुई पुष्पा 2- द रूल ने तो 1600 करोड़ रुपये से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी। यह उनकी अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्म है।

श्रीवल्ली बनकर मिली खास पहचान

रश्मिका के करियर में कई टर्निंग पॉइंट्स रहे, लेकिन पुष्पा में श्रीवल्ली का किरदार उनके लिए गेम-चेंजर साबित हुआ। इस रोल ने उन्हें साउथ की सीमाओं से निकालकर पूरे भारत में पहचान दिलाई। श्रीवल्ली की सादगी, डांस मूव्स और अल्लू अर्जुन के साथ उनकी जोड़ी ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। फिल्म के गाने जैसे सामी सामी और श्रीवल्ली आज भी हर जुबान पर हैं। पुष्पा 2 में उनका किरदार और मजबूत हुआ, जिसने उन्हें पैन-इंडिया सुपरस्टार बना दिया। यह किरदार ही था, जिसने उन्हें नेशनल क्रश से लेकर बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस तक का सफर तय कराया।

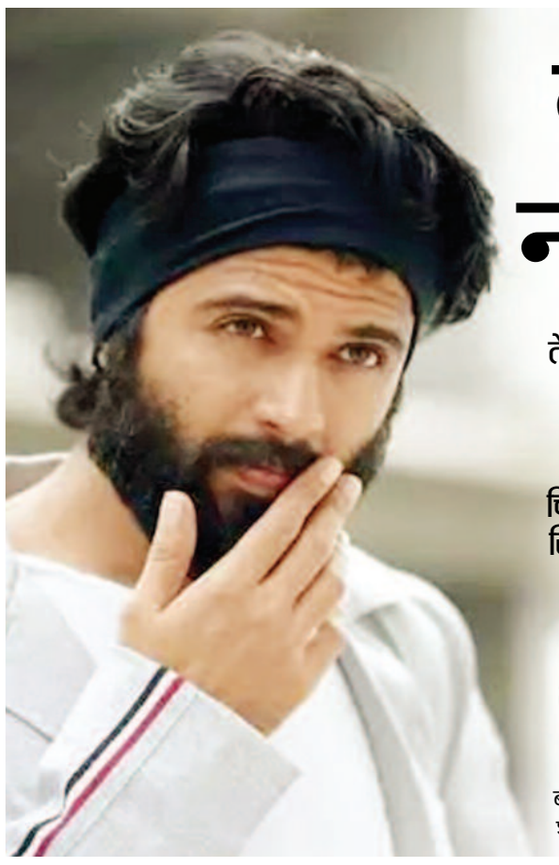

बॉलीवुड का बुरा दौर खत्म होगा नए फिल्ममेकर लाएंगे बदलाव

तेलुगु एक्टर विजय देवरकोंडा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मौजूदा हालत पर खुलकर अपनी राय रखी है। जहां बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस नतीजे चिंता का विषय बने हुए हैं, वहीं साउथ सिनेमा का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बहस के बीच विजय का मानना है कि यह सब एक चक्र का हिस्सा है और जल्द ही हिंदी सिनेमा भी नए जोश के साथ वापसी करेगा।

यह सिर्फ एक चक्र है

बातचीत में कहा, साउथ फिल्म इंडस्ट्री का अभी शानदार दौर चल रहा है। लेकिन यह सिर्फ एक चक्र है। एक समय था जब आप हमें जानते भी नहीं थे। एक समय था जब इंडियन सिनेमा ने जबरदस्त पहचान बनाई थी और इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचा था। अब यह साउथ सिनेमा का समय है। 5 या 10 साल बाद फिर कुछ नया बदलाव आएगा। हिंदी सिनेमा को नया दौर मिलेगा विजय का मानना है कि हिंदी सिनेमा जल्द ही एक नया दौर देखेगा, जहां नए फिल्ममेकर इसे आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा, इस बदलाव से नए फिल्ममेकर निकलकर आएंगे, जो हिंदी सिनेमा को फिर से मजबूत बनाएंगे। बहुत जल्द हिंदी सिनेमा को नए डायरेक्टर और कहानीकार मिलेंगे, जो शायद मुंबई से बाहर के होंगे। मेरा मानना है कि वे हिंदी भाषी इलाकों से आएंगे और बिल्कुल अलग तरह की फिल्में बनाएंगे। उनकी स्टोरीटेलिंग साउथ से भी अलग होगी।

बाहुबली ने दी पहचान

विजय ने बाहुबली का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे एस. एस. राजामौली ने इस फिल्म के जरिए तेलुगु सिनेमा को ग्लोबल पहचान दिलाई। उन्होंने कहा, तेलुगु सिनेमा को बड़े ऑडियंस तक पहुंचने के लिए काफी स्ट्रगल करना पड़ा। जब एस. एस. राजामौली ने बाहुबली बनाई, तो उन्होंने ऐसे दो एक्टर्स पर भारी निवेश किया, जिन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री शायद जानती भी नहीं थी। अगर फिल्म न चलती, तो बहुत सारे करियर खत्म हो सकते थे। प्रोड्यूसर्स को बड़ा नुकसान होता और एक्टर्स ने 5 साल सिर्फ एक फिल्म के लिए दिए थे। यह सबके लिए बहुत बड़ा रिस्क था। लेकिन इस तरह की लड़ाई लड़नी पड़ती है। मुझे लगता है कि हिंदी सिनेमा भी अपनी राह ढूंढ लेगा। यह सब जिंदगी का हिस्सा है।

कौन है ऋतिक का फेवरेट को-स्टार?

ऋतिक रोशन को जल्द ही स्पाई थ्रिलर वॉर 2 में देखा जाएगा। वॉर 2 इस साल 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है। फैंस इस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऋतिक ने अपने वॉर 2 सह-कलाकार जूनियर एनटीआर की तारीफ की। जब उनसे पसंदीदा सह-कलाकार के बारे में पूछा गया तो ऋतिक ने जूनियर एनटीआर का नाम लिया, जिसके बाद फैंस ने जोरदार तालियां बजाईं। ऋतिक ने जूनियर एनटीआर को शानदार बताते हुए कहा कि वह एक बेहतरीन टीममेट हैं। वॉर 2 ऋतिक रोशन की 2019 की हिट फिल्म वॉर का सीक्वल है। यह यशराज फिल्म्स स्पाईवर्स का हिस्सा है, जो कई एक्शन फिल्मों को जोड़ता है।

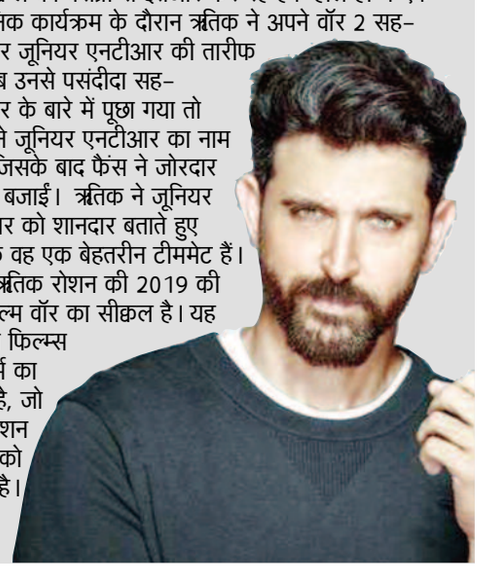

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673